आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 67 | उज्जैन, मंगलवार 28 जनवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

समाज के अंतिम व्यक्ति का कल्याण ही हमारा लक्ष्य-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान का समापन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में 11 दिसंबर 2024 से 26 जनवरी 2025 तक चलाए गए मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के उद्देश्यों और उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। वे उन्होंने कहा कि हमारी सरकार डॉ. बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान की मूल भावना और महात्मा गांधी के समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण की चिंता के अनुरूप कार्य कर रही है। हमारा उद्देश्य समाज के हर तबके तक सरकारी योजनाओं और कल्याणकारी नीतियों को पहुंचाना है।

इस अभियान के माध्यम से हमने जन-जन तक पहुँचकर उनकी समस्याओं का समाधान किया और विकास की धारा को और अधिक मजबूत किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अभियान के दौरान प्रदेश में लाखों लोगों को विभिन्न योजनाओं का सीधा लाभ दिया गया। अभियान का सोमवार को समापन हुआ। इंदौर में मीडिया से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत शासकीय सेवाओं को तेज और पारदर्शी बनाने पर जोर दिया गया। ग्रामीण और शहरी इलाकों में जरूरतमंदों को सभी शासकीय योजनाओं का लाभ दिया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का यह प्रयास है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और कल्याण की रोशनी पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को बधाई देते हुए कहा कि यह अभियान सबकी मेहनत, समर्पण और प्रदेश की जनता के सहयोग से ही सफल हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सरकार की प्राथमिकताएं दोहराते हुए कहा कि हम समाज के हर व्यक्ति तक विकास का लाभ और उसके कल्याण की योजनाएं उसके घर-द्वार तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अभियान के दौरान मिले फीडबैक का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इसे भावी योजनाओं के निर्माण में बेसिक जानकारी के रूप में शामिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि इंदौर में जब यह अभियान समाप्त हुआ, तो लाखों की संख्या में जनता ने कार्यक्रम में आकर उन्हें सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ होने पर बेहद प्रसन्नता व्यक्त की। जनकल्याण योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन पर प्रदेश सरकार तेजी से आगे बढ़ रही है।

नये वाहनों की खरीद पर 50 फीसदी टैक्स छूट... ट्रांसपोर्ट मंत्रालय ने जारी किया नया नोटिफिकेशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने वाहन स्क्रैपिंग नीति के तहत पुराने वाहनों की बिक्री पर लाभ में बढ़ोतरी का प्रस्ताव दिया है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने कहा है कि अब बीएस-2 और इससे पुराने उत्सर्जन मानकों वाले वाहनों को स्क्रैपिंग नीति के तहत बेचने के बाद नए वाहनों की खरीद पर एकमुश्त कर में 50 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी।

मंत्रालय ने कहा कि अधिक प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों से छुटकारा पाने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है। अभी पुराने निजी वाहनों को खत्म करने के बाद नए वाहन की खरीद पर मोटर वाहन कर में 25 प्रतिशत छूट मिलती है।

50 प्रतिशत तक की मिलेगी छूट- वाणिज्यिक वाहनों के मामले में यह छूट 15 प्रतिशत तक सीमित है। मंत्रालय की ओर से 24 जनवरी को जारी एक मसौदा अधिसूचना के अनुसार, बीएस-1 या बीएस मानदंड लागू होने से पहले निर्मित सभी वाणिज्यिक और व्यक्तिगत वाहनों पर 50 प्रतिशत तक की छूट लागू होगी। बीएस-2 के मामले में यह छूट मध्यम और भारी निजी व परिवहन वाहनों पर लागू होगी।

भारत से ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने पर इंडोनेशिया ने दिखाई दिलचस्पी, विमानवाहक पोत पर भी निगाहें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंडोनेशिया ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल सौदे के लिए जहां एक ओर बातचीत करने पर सहमत हो गए हैं, वहीं जकार्ता के वरिष्ठ अधिकारियों ने भारत की विमानवाहक पोत निर्माण क्षमताओं में भी रुचि दिखाई है। भारत दुनिया के उन कुछ देशों में से एक है जो स्वदेशी रूप से विमानवाहक पोत बनाने की क्षमता रखते हैं।

रक्षा सूत्रों ने बताया कि हाल ही में भारतीय पक्ष के साथ हुई बैठकों के दौरान जकार्ता के वरिष्ठ अधिकारियों ने विमानवाहक पोत निर्माण पर सहयोग में रुचि व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भारतीय अधिकारी जकार्ता के साथ जहाज निर्माण के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी काम कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि भारत और इंडोनेशिया ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल सौदे पर बातचीत शुरू करने पर सहमत हो गए हैं।

उम्मीद है कि इंडोनेशियाई टीमें जल्द ही बातचीत के लिए भारत आएंगी। इंडोनेशिया के साथ मिसाइल सौदे के लिए एक महत्वपूर्ण शर्त रूस से मंजूरी लेना होगी। गौरतलब है कि भारत ने फिलीपींस को सफलतापूर्वक ब्रह्मोस मिसाइल बेची है।

राष्ट्रपति के एट होम समारोह में दक्षिण भारत के व्यंजनों की खुशबू, समारोह में ड्रोन दीदी और किसान पहुंचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति भवन में रविवार को द्रौपदी मुर्मु द्वारा आयोजित एट होम समारोह दक्षिण भारत के व्यंजनों की खुशबू महकी। सांस्कृतिक विविधता पर केंद्रित इस समारोह में इस क्षेत्र के व्यंजन, वस्त्र और कला को को प्रमुखता दी गई।

एट होम समारोह में इस वर्ष के गणतंत्र दिवस परेड के मुख्य अतिथि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कई केंद्रीय मंत्री, सैन्य, पुलिस अधिकारी और राजनयिक शामिल हुए।

अतिथियों का स्वागत पांच दक्षिणी राज्यों तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल में से प्रत्येक के एक-एक दंपती ने अपनी मातृभाषा में तथा उस क्षेत्र की वेशभूषा धारण करके किया। समारोह में विशेष आमंत्रितों में ड्रोन दीदी, प्राकृतिक खेती में लगे कृषक और विशेष उपलब्धि हासिल करने वाले दिव्यांग शामिल थे।

इन राज्यों के संगीतकारों का संक्षिप्त प्रदर्शन और उनके वस्त्रों का प्रदर्शन हुआ। कार्यक्रम में दिव्यांगजनों के लिए विशेष व्यवस्था थी, जिसमें उनकी सहायता करने वाले लोग भी शामिल थे। मेहमानों में स्टार्ट-अप संस्थापक और विभिन्न व्यवसायों से संबंधित प्रतिष्ठित व्यक्ति भी शामिल थे।

समारोह में परोसे गए व्यंजनों में गोंगुरा अचार से भरे कुझी पनियारम (सोरेल पत्ती के अचार के साथ तले हुए चावल के पकौड़े), आंध्र मिनी-प्याज समोसा, टमाटर मूंगफली की चटनी (मसालेदार प्याज से भरा मिनी पट्टी समोसा), करुवेप्पिलई पोडी घी मिनी रागी इडली (भाप से पकाए गए बाजरे के चावल के केक, घी और करी पत्ता मसाला मिश्रण में मिलाए गए) शामिल थे।

कर्तव्य पथ पर दिखा लघु भारत, 5000 कलाकारों ने प्रदर्शन से मोह लिया जनता का मन

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के विभिन्न भागों से आए पांच हजार कलाकारों ने रविवार को गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान कर्तव्य पथ पर 45 विभिन्न नृत्य शैलियों का प्रदर्शन कर मन मोह लिया। अलग-अलग सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से होने के बावजूद वे एक सूत्र में जुड़े दिखे।

हिमाचल प्रदेश से लेकर आंध्र प्रदेश और मणिपुर से लेकर गुजरात तक कर्तव्य पथ पर लघु भारत उतर आया, क्योंकि पारंपरिक वेशभूषा पहने कलाकारों ने एक टीम की तरह प्रदर्शन किया।

शंकर महादेवन ने दिया संगीत

उनकी सफलता के पीछे केवल कठोर अभ्यास ही नहीं था, बल्कि उनके बीच अंतर-सांस्कृतिक संबंध भी नजर आया। संस्कृति मंत्रालय द्वारा जयति जय मां भारतम प्रस्तुति में 11 मिनट का सांस्कृतिक प्रदर्शन किया गया। यह परेड के मुख्य आकर्षणों में एक रहा। इसके गीत सुभाष सहगल ने लिखे और संगीत शंकर महादेवन ने दिया। विभिन्न नदियों की धाराओं की तरह कर्तव्य पथ पर कार्यक्रम प्रस्तुत करने सभी कलाकार अलग-अलग राज्यों से आए थे।

विभिन्न संस्कृतियों का दिखा संगम- वे अपने साथ अपना रंग, अपनी वेशभूषा और संस्कृति लेकर आए थे, जो समग्र रूप से भारत के रंग में विलीन हो गए। प्रदर्शन में दृश्य प्रभाव और समन्वय इतना था कि समारोह में मौजूद एक आधिकारिक कमेंटेटर ने यहां तक कह दिया कि यह कर्तव्य पथ पर गणतंत्र के कुंभ जैसा लग रहा था, जो विभिन्न संस्कृतियों का संगम था।

पुतिन समेत वैश्विक नेताओं ने पीएम मोदी को दी गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं

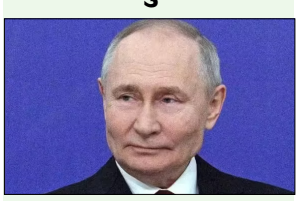

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन समेत दुनियाभर के तमाम नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत के 76वें गणतंत्र दिवस पर शुभकामना दी। इसके जवाब में पीएम मोदी ने भी उन देशों के साथ मित्रता का उल्लेख करते हुए संदेश दिए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री मोदी को भेजे अपने संदेश में पुतिन ने कहा कि कृपया गणतंत्र दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई स्वीकार करें। आर्थिक, सामाजिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और अन्य क्षेत्रों में भारत की उपलब्धियां व्यापक रूप से जानी जाती हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने पेश की मिसाल, कर्तव्य पथ पर उठाया कूड़ा; इस पहल ने जीता लोगों का दिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को भारत के 76वें गणतंत्र दिवस पर आयोजित समारोह के दौरान कर्तव्य पथ पर कचरा उठाकर स्वच्छ भारत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए एक सशक्त उदाहरण पेश किया।

इंटरनेट मीडिया पर भी यह वीडियो खूब प्रसारित हो रहा है और लोग जमकर सराहना कर रहे हैं। मोदी के इस कदम ने सार्वजनिक स्थलों की सफाई और सामुदायिक भागीदारी के महत्व को भी उजागर किया।

हुआ यूं कि कर्तव्य पथ पर मोदी प्रोटोकॉल के अनुसार उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का स्वागत करने के लिए तैयार थे। जब उन्होंने धनखड़ के वाहनों को समारोह स्थल की ओर आते हुए देखा तो वे प्रवेश द्वार की ओर बढ़े, तभी उन्होंने जमीन पर कूड़ा पड़ा देखा। वे तुरंत वहां रुके और झुककर कूड़ा उठाया। इसके बाद उन्होंने उस कचरे के टुकड़े-टुकड़े करके उसे अपने एक सुरक्षाकर्मी को दे दिया।

देखने में भले ही यह एक छोटा सा कदम था, लेकिन इसके पीछे संदेश बड़ा था। मोदी के इस कदम ने इंटरनेट पर लोगों का दिल जीत लिया। वैसे भी मोदी समय-समय पर स्वच्छ भारत सुनिश्चित करने के लिए सफाई कार्यों में शामिल होने पर जोर देते रहे हैं।

पीएम मोदी ने देखा- स्वच्छ भारत का सपना

मोदी का यह कदम इसलिए भी विशेष रूप से महत्वपूर्ण था क्योंकि मोदी ने पहले भी प्लागिंग (कचरा निस्तारण) और सामुदायिक नेतृत्व वाली पहलों पर जोर दिया है ताकि एक स्वच्छ भारत का सपना साकार हो सके। पिछले वर्ष नवंबर में उन्होंने मन की बात में कानपुर में गंगा घाटों की सफाई करने वाले एक प्लागिंग समूह की सराहना की थी।

पिछले वर्ष दिसंबर में रक्षा मंत्रालय ने स्वच्छता पखवाड़ा के तहत देशभर में 400 से अधिक स्थानों पर एक विशाल प्लागिंग कार्यक्रम का आयोजन किया था।

पीएम ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर यहां राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर बलिदानी सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने रक्षा प्रमुख और तीनों सेनाओं के प्रमुखों के साथ स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर राष्ट्र की ओर से श्रद्धांजलि दी।

भारत-चीन के रिश्तों में कम हो रही दरार, चीनी विदेश मंत्री से मिले विक्रम मिसरी

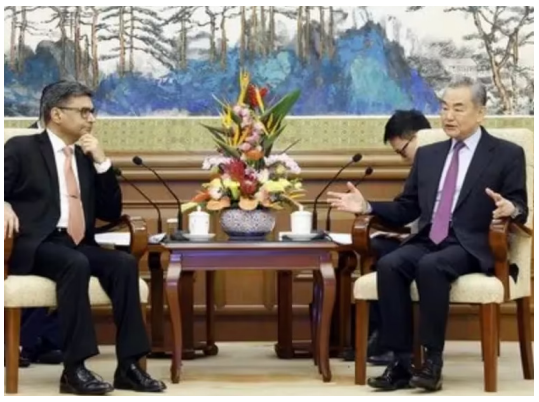

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने सोमवार को चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात कर द्विपक्षीय हितों के मुद्दों पर चर्चा की। बता दें कि विदेश सचिव दो दिन के दौरे पर चीन पहुंचे हैं।

वे यहां चीनी अधिकारियों से मुकालात कर भारत और चीन के संबंधों को बेहतर करने का प्रयास करेंगे। विदेश मंत्री होने के अलावा, वांग सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के शक्तिशाली राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य और भारत-चीन सीमा तंत्र के लिए चीन के विशेष प्रतिनिधि हैं।

प्रतिनिधि मुलाकात के बाद यात्रा- भारतीय पक्ष के प्रतिनिधि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल हैं। मिसरी की चीन यात्रा पिछले महीने विशेष प्रतिनिधि तंत्र के तहत वांग और डोभाल के बीच हुई वार्ता के बाद हुई है।

मिसरी के साथ अपनी बैठक में वांग ने कहा कि पिछले साल रूस के कजान में राष्ट्रपति शी चिनफिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई बैठक के बाद से दोनों पक्षों ने दोनों देशों के नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण सहमति को गंभीरता से लागू किया है, सभी स्तरों पर सक्रिय बातचीत की है और चीन-भारत संबंधों को बेहतर बनाने की प्रक्रिया को तेज किया है।

संबंध सुधारने को आतुर चीन- सोमवार की बैठक पर चीनी विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वांग ने कहा कि दोनों पक्षों को अवसर का लाभ उठाना चाहिए, एक-दूसरे से मिलना चाहिए, अधिक ठोस उपायों की खोज करनी चाहिए तथा संदेह और अलगाव के बजाय आपसी समझ, समर्थन और के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए।

वांग ने कहा कि चीन-भारत संबंधों में सुधार और विकास दोनों देशों और उनके लोगों के मौलिक हितों में है, वैश्विक दक्षिण देशों के वैध अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए अनुकूल है। वांग ने कहा कि भारत और चीन के बीच अच्छे संबंध एशिया और दुनिया में दो प्राचीन सभ्यताओं की शांति, स्थिरता, विकास और समृद्धि में योगदान करने के लिए भी अनुकूल हैं।

रविवार को यहां पहुंचने के बाद मिसरी ने सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के प्रभावशाली अंतर्राष्ट्रीय विभाग के प्रमुख लियू जियानचाओ से मुलाकात की, जो चीन की विदेश नीति की दिशा तय करता है।

कई मुद्दों पर हुई बात- आधिकारिक मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों पक्षों ने दोनों देशों के नेताओं द्वारा बनाई गई महत्वपूर्ण सहमति को संयुक्त रूप से लागू करने, आदान-प्रदान और संवाद को मजबूत करने, तथा चीन-भारत संबंधों के सुधार और स्वस्थ एवं स्थिर विकास को बढ़ावा देने के साथ-साथ साझा चिंता के अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

ट्रंप का हर एक्शन दुनिया पर भारी, टैरिफ से लेकर अप्रवासियों का मुद्दा हावी; क्या होगा भारत पर असर?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कार्यभार संभाल लिया है। ट्रंप ने पहले दिन ही जिस तरह धड़ाधड़ फैसले लिए हैं, उससे साफ हो गया है कि उनका काम करने का तरीका किसी भी आम राष्ट्राध्यक्ष से अलग है।

ट्रंप के एक्शन से वैश्विक परिदृश्य में होंगे बड़े बदलाव- ट्रंप अपने चुनावी वादों को लागू करने में जुट गए हैं। उनका सबसे प्रमुख वादा है अमेरिका को फिर से महान बनाना। अगर ट्रंप पूरे दमखम से इस वादे को पूरा करने का प्रयास करते हैं तो यह तय है कि वैश्विक परिदृश्य में बड़े बदलाव होंगे। यह बदलाव आर्थिक, रक्षा के साथ कूटनीतिक रिश्तों को भी नए सिरे से परिभाषित करेंगे।

अमेरिका के प्रमुख रणनीतिक सहयोगी और उभरती वैश्विक ताकत के तौर पर भारत को भी इस बदलाव से गुजरना होगा।

किसी देश की अर्थव्यवस्था को चोट पहुंचाने के लिए उस पर आर्थिक प्रतिबंध लगाना सबसे आसान रास्ता है। अमेरिका समय-समय पर इस ब्रह्मास्त्र का इस्तेमाल करता आया है। यूं तो आर्थिक प्रतिबंध कोई भी देश किसी भी देश पर लगा सकता है। लेकिन अमेरिका के लगाए आर्थिक प्रतिबंधों का असर ज्यादा होता है।

डालर में कारोबार करने पर रोक- अमेरिका चाहे तो किसी भी देश को डालर में कारोबार करने से भी रोक सकता है। इसका असर सिर्फ उस देश पर ही नहीं, बल्कि उसके साथ कारोबार करने वाले देशों पर भी पड़ता है क्योंकि प्रतिबंध वाले देश के साथ डालर में कारोबार करने पर अमेरिका कारोबार करने वाले दूसरे देश पर जुर्माना लगा सकता है। सवाल उठता है कि अमेरिका के प्रतिबंधों को बाकी के देश क्यों मानते हैं? इसका जवाब है कि दुनिया के ज्यादातर देश अमेरिका पर किसी न किसी तरह से निर्भर हैं।

अवैध प्रवासियों को बाहर निकालने में नहीं मिला साथ तो, ट्रंप ने दी सभी देशों को चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में नागरिकों के निर्वासन को लेकर तनातनी जारी है। प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने चेतावनी दी है कि अमेरिकी कांग्रेस उन देशों पर प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार है जो बिना दस्तावेज वाले अप्रवासियों के निर्वासन पर ट्रम्प प्रशासन के आदेश में सहयोग करने से इनकार करते हैं।

सत्ता संभालने के तुरंत बाद, ट्रंप प्रशासन ने बड़े पैमाने पर निर्वासन शुरू कर दिया। देशभर से छापेमारी की खबरें आ रही हैं।

जॉनसन ने इस मामले में क्या कहा- कोलंबिया और सभी देशों को सतर्क रहना चाहिए, कांग्रेस उन लोगों के खिलाफ प्रतिबंध और अन्य उपाय पारित करने के लिए पूरी तरह से तैयार है जो संयुक्त राज्य अमेरिका में अवैध रूप से रहने वाले अपने नागरिकों को स्वीकार करने के लिए पूरी तरह से सहयोग नहीं करते हैं या आवश्यकताओं का पालन नहीं करते हैं।

उन्होंने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिका को पहले रख रहे हैं, जैसा उन्होंने कहा था। कांग्रेस उन नीतियों को लागू करेगी जो उनके एजेंडे को मजबूत करती हैं।

मोबाइल टावर की जरूरत खत्म! सीधे अंतरिक्ष से फोन में मिलेगा नेटवर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। टेस्ला के मालिक ने एक बड़ा एलान किया है। उन्होंने हाल ही में कहा है कि मोबाइल टावर के बिना फोन सर्विस मिलेगी। इसकी बीटा टेस्टिंग आज से शुरू हो सकती है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स हैंडल पर उन्होंने जानकारी शेयर करते हुए कहा कि 27 जनवरी यानी आज से स्टारलिंक की डायरेक्ट टू सेल सैटेलाइट सर्विस की बीटा टेस्टिंग शुरू हो सकती है।

मोबाइल का नेटवर्क सीधे सेटेलाइट से होगा कनेक्ट- आईबीसी ग्रुप के फाउंडर Mario Nawfal के पोस्ट को रि शेयर करके कंफर्म किया। इसमें स्टारलिंक की डायरेक्ट टू सेल सैटेलाइट जैसी सर्विस का जिक्र है। डायरेक्ट टू सेल सैटेलाइट सर्विस के तहत मोबाइल सीधे सेटेलाइट बेस्ड नेटवर्क से कनेक्ट होंगे। इसके बाद वे फोन सर्विस का इस्तेमाल कर पाएंगे।

डायरेक्ट टू सेल सैटेलाइट सर्विस के तहत जमीन पर मोबाइल नेटवर्क टावर लगाने की जरूरत नहीं है। ऐसे में ट्रेडिशनल मोबाइल टावर पर बोझ कम होगा।

पाकिस्तान में एलपीजी से भरे टैंकर में हुआ विस्फोट, हादसे में 6 लोगों की मौत; 31 घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के एक औद्योगिक क्षेत्र में तरलीकृत पेट्रोलियम गैस से भरे एक टैंकर में विस्फोट हो गया। इस दौरान हादसे में एक नाबालिग लड़की सहित कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और 31 अन्य घायल हो गए। जिसमें से 13 की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस घटना की जानकारी अधिकारियों ने सोमवार को दी।

बचाव अधिकारियों के अनुसार, यह घटना मुल्तान के हामिदपुर कनोरा इलाके में औद्योगिक एस्टेट में हुई। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को एलपीजी टैंकर में विस्फोट होने से भीषण आग लग गई, जिसके कारण क्षतिग्रस्त वाहन का मलबा आस-पास के रिहायशी इलाकों में जा गिरा, जिससे काफी नुकसान हुआ।

पंजाब प्रांत में हुआ था टैंकर में ब्लास्ट- बचाव अधिकारियों ने बताया कि दस से ज़्यादा अग्निशमन वाहनों और फोम आधारित अग्नि शमन यंत्रों की मदद से कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

शुरू में बताया गया था कि इस घातक विस्फोट में कुल पाँच लोगों की मौत हो गई है। हालाँकि, बचाव अधिकारियों द्वारा विस्फोट से क्षतिग्रस्त हुए एक घर से एक और शव बरामद किए जाने के बाद मरने वालों की संख्या बढ़कर छह हो गई।

पुलिस ने बताया कि विस्फोट स्थल के आसपास के कम से कम 20 घर पूरी तरह मलबे में तब्दील हो गए, जबकि 70 आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए।

मुल्तान के सिटी पुलिस अधिकारी (सीपीओ) सादिक अली ने जियो न्यूज को बताया कि आग में कई घर नष्ट हो गए और मवेशी भी मारे गए।

एक दिन, व्हिस्की के गिलास के साथ..., कोलंबिया के राष्ट्रपति पेट्रो ने ट्रंप से अब क्यों कहा ऐसा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों और उनके कथित नस्लीय रवैये पर निशाना साधा है। ट्रंप की आलोचना करते हुए पेट्रो का बयान ऐसे समय पर आया है, जब आज ही कोलंबो और अमेरिका ने व्यापक व्यापार युद्ध को टाला है। हाल ही में अमेरिका से आ रही प्रवासी निवासियों की फ्लाइट की एंट्री पर कोलंबिया ने रोक लगा दी थी, हालांकि ट्रंप की टैरिफ लगाने की धमकी के बाद पेट्रो सरकार ने यू-टर्न लेते हुए विमानों को उतरने दिया।

क्या बोले गुस्तावो पेट्रो- एक्स पर एक लंबी वायरल पोस्ट में कोलंबिया के पहले वामपंथी राष्ट्रपति ने बोगोटा के प्रति ट्रंप के रवैये की आलोचना की और इस मुद्दे पर उनकी सरकार के रुख को बदलने से पहले जवाबी टैरिफ लगाने तक की धमकी दी थी।

मैं अपने लोगों के लिए लड़ता रहूंगाः पेट्रो- पेट्रो ने आगे कहा कि ट्रंप चाहे मुझे मार देंगे, लेकिन मैं अपने लोगों में जीवित रहूंगा, जो आपके लोगों से पहले अमेरिका में है।

लालच में ट्रंप मानव जाति को मिटा देंगे- पेट्रो ने ट्रंप पर निशाना साधते हुए कहा कि वो लालच के कारण मानव प्रजाति को मिटाने जा रहे हैं। वामपंथी नेता ने यह भी कहा कि ट्रंप की धमकियों से अब वो डरते नहीं हैं।

बता दें कि व्हाइट हाउस ने आज कोलंबिया पर ट्रंप द्वारा टैरिफ लगाने की योजनाओं को स्थगित करने की घोषणा की है। आज कोलंबिया ने अमेरिका से प्रवासियों की फ्लाइट को जब उतरने की इजाजत दी, तो अमेरिका ने भी नरम रुख दिखाया।

ट्रंप के एक्शन से भड़क उठा सिख समुदाय, अवैध प्रवासियों की तलाश में गुरुदारों में घुसी अमेरिकी पुलिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में मौजूद अवैध प्रवासियों को देश से बाहर निकालने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कमर कस ली है। , ट्रंप प्रशासन लगातार अवैध प्रवासियों को उनके देश डिपोर्ट करना शुरू कर दिया है।

आशंका जताई जा रही है कि अमेरिका में मौजूद 18000 से ज्यादा अवैध तरीके से अमेरिका में रह रहे भारतीयों को वापस भारत भेजा जाएगा। इसी बीच न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी में कानून प्रवर्तन अधिकारी अवैध प्रवासियों की तलाश में गुरुद्वारे जा पहुंचे। इस घटना पर सिख संगठनों ने नाराजगी जाहिर की है। सिख संगठनों ने इस तरह की कार्रवाई को अपनी आस्था की पवित्रता के लिए खतरा बताया।

सिख समुदाय ने जाहिर की चिंता

सिख अमेरिकन लीगल डिफेंस एंड एजुकेशन फंड ने इस घटना पर चिंता जाहिर की है। SALDF की कार्यकारी निदेशक किरण कौर गिल ने कहा कि गुरुद्वारे सिर्फ पूजा स्थल नहीं है, बल्कि ये एक महत्वपूर्ण सामुदायिक केंद्र भी है, जो सिखों और व्यापक समुदाय की मदद करते हैं। इन स्थानों पर तलाशी की वजह से हमारी आस्था की पवित्रता खतरे में पड़ जाती है। ऐसी घटनाएं देशभर में मौजूद सिख समुदाय के लोगों की चिंता बढ़ाती है।

माना जाता है कि अवैध तरीके से अमेरिका में रह रहे प्रवासी न्यूयॉर्क और न्यूजर्सी के कुछ गुरुद्वारों का उपयोग करते हैं। अमेरिकी गृह मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने जानकारी दी कि सीबीपी और आईसीई के अधिकारी उन हत्यारों और यौन उत्पीड़न करने वाले आरोपियों की तलाश में हैं, जो अवैध तरीके से हमारे देश में दाखिल हुए हैं।

Waqf Board में 2 गैर-मुस्लिमों को भी मिलेगी जगह! 4 नए प्रस्ताव जोड़े गए; वक्फ बिल को JPC की मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन बिल पर बनी जेपीसी की बैठक आज समाप्त हो गई। संयुक्त संसदीय समिति ने सोमवार को सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए सदस्यों द्वारा प्रस्तावित सभी 14 संशोधनों को स्वीकार कर लिया। इसके अलावा विपक्षी सदस्यों द्वारा पेश किए गए हर बदलाव को अस्वीकार कर दिया।

दरअसल, यह विधेयक पिछले वर्ष अगस्त में लोकसभा में पेश किया गया था और इसमें देश में मुस्लिम धर्मार्थ संपत्तियों के प्रबंधन के तरीके में 44 विवादास्पद परिवर्तन करने का प्रावधान है। जेपीसी की बैठक में इस बिल में कई महत्वपूर्ण बदलावों को मंजूरी मिली है।

बिल में इन मुख्य बदलावों को मिली मंजूरी- इस बिल में पहले प्रावधान था कि राज्य वक्फ बोर्ड और केंद्रीय वक्फ परिषद में दो गैर मुस्लिम सदस्य अनिवार्य होंगे। इसमें बदलाव किया गया है।

अब पदेन सदस्यों को इससे अलग कर दिया गया है। जिसका मतलब है कि वक्फ परिषदें, चाहे राज्य स्तर पर हों या अखिल भारतीय स्तर पर, कम से कम दो और संभवतः अधिक सदस्य होंगे जो इस्लाम धर्म से नहीं होंगे।

जल्द बहाल हो जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा, रॉ के पूर्व प्रमुख ने कहा- यह दिल्ली और श्रीनगर दोनों के हित में

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की खुफिया एजेंसी रॉ के पूर्व प्रमुख एएस. दुलत ने आगाह किया कि 2024 के चुनावों के बाद कश्मीरियों के चेहरों पर दिखने वाली खुशी अस्थायी है। जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल होने को लेकर इंतजार से मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और केंद्र सरकार दोनों की विश्वसनीयता दांव पर है।

दुलत ने शनिवार को कहा कि मुख्यमंत्री उमर जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग करके कुछ ज्यादा नहीं मांग रहे।

दुलत ने कहा कि उमर क्या मांग रहे हैं? कश्मीरी क्या उम्मीद करता है? अनुच्छेद 370 चला गया है। ऐसा नहीं है कि यह कश्मीरियों के जेहन से निकल गया है। वे अब भी 370 के बारे में सोचते हैं, लेकिन उमर जानते हैं कि यह वापस नहीं आएगा। वह अपने आत्मसम्मान के लिए राज्य का दर्जा चाहते हैं।

कश्मीर को मिले राज्य का दर्जा- वर्ष 1999 से 2000 के दौरान खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनेलिसिस विंग (रॉ) का नेतृत्व करने वाले दुलत ने कहा कि मुझे लगता है कि यह दिल्ली और श्रीनगर दोनों के हित में है कि राज्य का दर्जा जल्द से जल्द बहाल हो। दोनों पक्षों की विश्वसनीयता के लिए ऐसा किया जाना चाहिए।

अब एक देश-एक समय होगा लागू, उल्लंघन पर लगेगा जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में अब सभी को भारतीय मानक समय को अपनाना ही होगा। एक देश एक कर व्यवस्था (जीएसटी) लागू करने और एक देश एक चुनाव के लिए कदम बढ़ाने के बाद अब सरकार देश में जल्द ही एक देश एक समय को लागू करने जा रही है।

समय के मानकीकरण के लिए सरकार ने सभी आधिकारिक और कमर्शियल प्लेटफार्मों पर भारतीय मानक समय (आईएसटी) के उपयोग को अनिवार्य करते हुए नियमों का यह मसौदा तैयार किया है।

14 फरवरी तक मांगे गए सुझाव- उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने 14 फरवरी तक लोगों से इस मसौदे पर सुझाव मांगे हैं। द लीगल मेट्रोलॉजी (भारतीय मानक समय) नियम, 2024 का उद्देश्य समय-निर्धारण प्रथाओं को मानकीकृत करने के लिए कानूनी ढांचा तैयार करना है।

इसमें कानूनी, प्रशासनिक, कमर्शियल व आधिकारिक दस्तावेज के लिए आईएसटी को एकमात्र समय संदर्भ के रूप में अनिवार्य किया गया है। इसका मतलब यह है कि समय के संदर्भ के लिए केवल आईएसटी का ही उपयोग किया जाएगा। प्रस्तावित नियमों का उल्लंघन करने पर जुर्माना लगेगा।

ऐसी बात करना मूर्खता, माफी मांगो, महाकुंभ को लेकर हुसैन दलवई के बयान पर गरमाई सियासत

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाकुंभ पर कांग्रेस नेता हुसैन दलवई की टिप्पणी पर विवाद के बाद राजनीतिक नेताओं की ओर से मिली-जुली प्रतिक्रिया आ रही है। शिवसेना और कांग्रस के नेता ने इस पर बयान दिया है। शिवसेना नेताओं ने अपनी टिप्पणी के लिए माफी की मांग की है, वहीं कांग्रेस ने दलवई का बचाव करते हुए कहा है कि उनका बयान सच है। विवाद तब शुरू हुआ जब दलवई ने त्रिवेणी संगम पर महाकुंभ की व्यवस्था पर असंतोष जताया।

उन्होंने श्रद्धालुओं की बड़ी आमद को बैन करने के लिए व्यवस्थाओं को अपर्याप्त और बुनियादी सुविधाओं की कमी बताया। साथ ही आगे चेतावनी दी कि इससे संभावित रूप से बीमारियां फैल सकती हैं। महाराष्ट्र के मंत्री उदय सामंत ने दलवई की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, कुप्रबंधन के बारे में सवाल उठाए जा रहे हैं।

क्या बोले महाराष्ट्र के मंत्री- उदय सामंत ने आगे कहा, हमें अपने संतों-महात्माओं की उपस्थिति पर गर्व है। मैं दलवई साहब से अनुरोध करता हूं कि वे ऐसे मुद्दे न बनाएं। योगी साहब के नेतृत्व में वहां स्थिति अच्छी है। वहां जाने वाले लाखों लोग कहते हैं कि वहां की स्थिति बहुत अच्छी है। लेकिन हर कार्यक्रम या आयोजन पर सवाल उठाना ठीक नहीं है।

महाकुंभ की तुलना हज से करने को लेकर की निंदा

वहीं शिवसेना नेता मनीषा कायंदे ने महाकुंभ की तुलना हज से करने वाले दलवई के बयान की कड़ी निंदा करते हुए इसे बकवास बताया। प्रयागराज तीन पवित्र नदियों का संगम है।

जो लोग हिंदू धर्म और आध्यात्मिकता का अभ्यास करते हैं वे ऐसी बकवास नहीं कहेंगे।

हुसैन दलवई को पूरे हिंदू समाज से माफी मांगनी चाहिए।

अगर हर कोई इस तरह से धर्म के बारे में बात करना शुरू कर देगा तो इससे देश में तनाव फैल जाएगा और इसके लिए दलवाई जिम्मेदार होंगे। महाकुंभ की तुलना हज से करना मूर्खतापूर्ण बात है।

हम कुछ नहीं कर सकते, SC ने खारिज की दहेज और घरेलू हिंसा कानूनों में सुधार की मांग वाली याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने दहेज और घरेलू हिंसा कानूनों में सुधार की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि इसके लिए समाज को बदलना होगा, हम इसमें कुछ नहीं कर सकते।

याचिका में कहा गया था कि मौजूदा दहेज और घरेलू हिंसा कानूनों का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है, ऐसे में इनमें सुधार किए जाने चाहिए।

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि समाज को बदलना होगा और वह कुछ नहीं कर सकता।

याचिका पर सुनवाई करने से इनकार करते हुए न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, समाज को बदलना होगा, हम कुछ नहीं कर सकते। संसदीय कानून हैं।

यह याचिका अधिवक्ता विशाल तिवारी ने दायर की थी, जिसमें उन्होंने घरेलू हिंसा कानूनों में सुधार और हाल ही में बेंगलुरु के तकनीकी विशेषज्ञ अतुल सुभाष की आत्महत्या के मद्देनजर उनके दुरुपयोग को रोकने की मांग की थी।

याचिका में ऐसे कानूनों के दुरुपयोग को रोकने के लिए दिशा-निर्देश मांगे गए थे।

याचिका में सरकार को यह निर्देश देने की भी मांग की गई है कि वह विवाह के दौरान दी गई वस्तुओं/उपहारों/धन की सूची बनाए तथा उसे हलफनामे के साथ बनाए रखे तथा उसका रिकॉर्ड रखा जाए तथा उसे विवाह पंजीकरण प्रमाण पत्र के साथ संलग्न किया जाए।

याचिकाकर्ता ने कहा, दहेज निषेध अधिनियम और आईपीसी की धारा 498 ए का उद्देश्य विवाहित महिलाओं को दहेज की मांग और उत्पीड़न से बचाना है, लेकिन हमारे देश में ये कानून अनावश्यक और अवैध मांगों को निपटाने और पति-पत्नी के बीच किसी अन्य प्रकार का विवाद उत्पन्न होने पर पति के परिवार को दबाने के हथियार बन गए हैं और इन कानूनों के तहत विवाहित पुरुषों को गलत तरीके से फंसाए जाने के कारण महिलाओं के खिलाफ वास्तविक और सच्ची घटनाओं को संदेह की दृष्टि से देखा जाता है।

महाकुंभ जाने के लिए चुकाने पड़ रहे हजारों रुपये; महंगे हो गए फ्लाइट्स के टिकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। विमानन नियामक डीजीसीए ने एयरलाइन कंपनियों से महाकुंभ के मद्देनजर प्रयागराज के लिए हवाई किराए को तर्कसंगत बनाने को कहा है।

विश्व हिंदू परिषद ने सोमवार को दावा किया कि कुछ एयरलाइनों द्वारा प्रयागराज के लिए उड़ानों के किराए में अत्यधिक वृद्धि के कारण श्रद्धालुओं को महाकुंभ मेले में आने में गंभीर असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। जिसके बाद सरकार से इस मुद्दे के समाधान के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया है।

VHP ने फ्लाइट्स के टिकट के दामों पर उठाए सवाल- VHP के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि जहां उत्तर प्रदेश सरकार श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाएं मुहैया कराने का पूरा ध्यान रख रही है, वहीं कई धार्मिक, सामाजिक और परोपकारी संगठन और लोग कुंभ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए निस्वार्थ सेवा में लगे हुए हैं। उन्होंने एक बयान में कहा, लेकिन कुछ एयरलाइन कंपनियां यात्रियों की बढ़ती संख्या का अनुचित लाभ उठाते हुए हवाई किराए में अत्यधिक वृद्धि कर रही हैं। उन्होंने अपने इकोनॉमी क्लास के किराए में 200 प्रतिशत से 700 प्रतिशत तक की वृद्धि कर दी है, जिसके कारण महाकुंभ में आने वाले और वहां से लौटने वाले श्रद्धालुओं को गंभीर असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है।

बंसल ने बताया कि भारतीय रेलवे ने महाकुंभ में तीर्थयात्रा के लिए आने वाले और अपने घर लौटने वाले यात्रियों के लिए अपनी सेवाओं का विस्तार किया है तथा किराया भी सीमित रखा है।

VHP पदाधिकारी ने कहा, यह पूरी तरह से अनुचित और अनैतिक है। उन्होंने कहा कि यह महाकुंभ में तीर्थयात्रा के लिए आने वाले श्रद्धालुओं का आतिथ्य करने, समर्पण दिखाने और उनका सम्मानपूर्वक स्वागत करने का अवसर है, न कि उनसे अनुचित किराया वसूलने का।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 माघ कृष्ण चतुर्थदशी

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

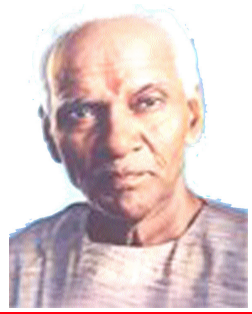

संपादकीय

विश्वविद्यालय के नेतृत्व में किए गए एक अध्ययन में चिंताजनक जानकारी सामने आई

अवीव विश्वविद्यालय के नेतृत्व में किए गए एक अध्ययन में चिंताजनक जानकारी सामने आई है कि समुद्री पारिस्थितिक तंत्र के भीतर माइक्रोप्लास्टिक कण कैसे परिवर्तित होते हैं, जिससे समुद्र के खाद्य जाल के स्वास्थ्य के लिए नई चुनौतियाँ पैदा होती हैं। शोध इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे फिल्टर-फीडिंग समुद्री जीव माइक्रोप्लास्टिक्स के व्यवहार और संरचना को बदल देते हैं, जिससे समुद्री पर्यावरण के लिए अप्रत्याशित जोखिम पैदा होते हैं। माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण की जांच जबकि पिछले शोध में समुद्री जानवरों द्वारा माइक्रोप्लास्टिक ग्रहण करने के खतरों का दस्तावेजीकरण किया गया था, यह अध्ययन एक कदम आगे बढ़कर यह पता लगाता है कि फिल्टर फीडरों के पाचन तंत्र से गुजरने के बाद ये कण कैसे बदलते हैं। पीएचडी छात्र ईडन हरेल, प्रोफेसर नोआ शेनकर और तेल अवीव विश्वविद्यालय के प्रोफेसर इनेस ज़कर द्वारा संचालित, अध्ययन एस्किडियन - समुद्री जानवरों पर केंद्रित है जो पानी से छोटे कणों को कुशलता से फ़िल्टर करते हैं। निष्कर्षों से पता चलता है कि फिल्टर फीडर और माइक्रोप्लास्टिक्स के बीच की बातचीत इन कणों के प्रसार और परिवर्तन में कैसे योगदान करती है। शेनकर ने बताया, ÷हमारा लक्ष्य यह जांचना था कि समुद्री जीव के पाचन तंत्र से गुजरने के बाद प्लास्टिक कैसे और कैसे बदलता है और यह प्रक्रिया प्लास्टिक की उपस्थिति और अन्य जीवों में इसकी उपलब्धता को कैसे प्रभावित करती है।÷ फ़िल्टर फीडर माइक्रोप्लास्टिक को कैसे बदलते हैं एक नियंत्रित प्रयोगशाला प्रयोग का उपयोग करते हुए, शोधकर्ताओं ने जलोदर युक्त समुद्री जल वातावरण का अनुकरण किया और दो प्रकार के माइक्रोप्लास्टिक कणों को पेश किया। इन कणों में पॉलीस्टाइनिन (पीएस), एक सामान्य पारंपरिक प्लास्टिक, और पॉलीलैक्टिक एसिड (पीएलए), एक बायोडिग्रेडेबल बायोप्लास्टिक शामिल है जिसे पर्यावरण के अनुकूल के रूप में विपणन किया जाता है। टीम ने 48 घंटों तक निस्पंदन, पाचन और उत्सर्जन प्रक्रियाओं की निगरानी की। परिणामों से पता चला कि दोनों प्रकार के प्लास्टिक के बीच काफी अंतर है। एस्किडियन ने दो घंटे के भीतर पानी से 90त्न पॉलीस्टाइन कणों को हटा दिया, लेकिन पाचन के 48 घंटे बाद ये कण पानी में फिर से शामिल हो गए। दूसरी ओर, पॉलीलैक्टिक एसिड कणों की सांद्रता में काफी कमी आई और वे निम्न स्तर पर बने रहे। बड़े पीएलए कण पाचन के दौरान टूटते हुए दिखाई दिए - संभवतः छोटे, ज्ञानी नैनोकणों के रूप में पानी में लौट आए। इन निष्कर्षों से पता चलता है कि जहां कुछ माइक्रोप्लास्टिक अपने मूल रूप में बने रहते हैं, वहीं अन्य छोटे कणों में विभाजित हो सकते हैं, जिससे संभावित रूप से उनका पर्यावरणीय प्रभाव बढ़ सकता है। प्लास्टिक कार्बनिक पदार्थ के रूप में छिपा हुआ है पाचन के दौरान माइक्रोप्लास्टिक में होने वाले परिवर्तनों को समझने के लिए, टीम ने एस्किडियन द्वारा उत्सर्जित कणों का विश्लेषण करने के लिए रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग किया। विश्लेषण से एक आश्चर्यजनक परिवर्तन का पता चला- प्लास्टिक के कण अब प्लास्टिक के रूप में पहचाने जाने योग्य नहीं थे। इसके बजाय, वे पाचन तंत्र में प्राप्त मल कोटिंग के कारण कार्बनिक पदार्थ प्रतीत होते थे। ÷हमारे निष्कर्षों से पता चला है कि माइक्रोप्लास्टिक कण एक मल परत के साथ लेपित एस्किडियन के पाचन तंत्र से उत्सर्जित होते हैं, और यह संभावना है कि समुद्री पर्यावरण भी इन कणों को इस कार्बनिक पदार्थ के रूप में पहचानता है,÷ हरेल ने कहा। इस परिवर्तन से इन कणों के मल पर भोजन करने वाले अन्य समुद्री जानवरों द्वारा निगले जाने की संभावना बढ़ जाती है, जिससे माइक्रोप्लास्टिक खाद्य जाल में शामिल हो जाते हैं।

लाला लाजपत राय

लाला लाजपत राय को भारत के महान् क्रांतिकारियों में गिना जाता है। आजीवन ब्रिटिश राजशक्ति का सामना करते हुए अपने प्राणों की परवाह न करने वाले लाला लाजपत राय को पंजाब केसरी भी कहा जाता है। लालाजी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के गरम दल के प्रमुख नेता तथा पूरे पंजाब के प्रतिनिधि थे। उन्हें पंजाब के शेर की उपाधि भी मिली थी। उन्होंने क़ानून की शिक्षा प्राप्त कर हिसार में वकालत प्रारम्भ की थी, किन्तु बाद में स्वामी दयानंद के सम्पर्क में आने के कारण वे आर्य समाज के प्रबल समर्थक बन गये। यहीं से उनमें उग्र राष्ट्रीयता की भावना जागृत हुई। लालाजी को पंजाब में वही स्थान प्राप्त है, जो महाराष्ट्र में लोकमान्य तिलक को प्राप्त है।

जन्म

लाला लाजपत राय का जन्म 28 जनवरी, 1865 ई. को अपने ननिहाल के ग्राम ढुंढिके, ज़िला फ़रीदकोट, पंजाब में हुआ था। उनके पिता लाला राधाकृष्ण लुधियाना ज़िले के जगराँव क़स्बे के निवासी अग्रवाल वैश्य थे। लाला राधाकृष्ण अध्यापक थे। वे उर्दू तथा फ़ारसी के अच्छे जानकार थे। इसके साथ ही इस्लाम के मन्तव्यों में भी उनकी गहरी आस्था थी। वे मुसलमानी धार्मिक अनुष्ठानों का भी नियमित रूप से पालन करते थे। नमाज़ पढ़ना और रमज़ान के महीने में रोज़ा रखना उनकी जीनवचर्या का अभिन्न अंग था, यथापि वे सच्चे धर्म-जिज्ञासु थे। अपने पुत्र लाला लाजपत राय के आर्य समाजी बन जाने पर उन्होंने वेद के दार्शनिक सिद्धान्त त्रेतवाद को समझने में भी रुचि दिखाई। पिता की इस जिज्ञासु प्रवृत्ति का प्रभाव उनके पुत्र लाजपत राय पर भी पड़ा था। लाजपत राय के पिता वैश्य थे, किंतु उनकी माती सिक्ख परिवार से थीं। दोनों के धार्मिक विचार भिन्न-भिन्न थे। इनकी माता एक साधारण महिला थीं। वे एक हिन्दू नारी की तरह ही अपने पति की सेवा करती थीं।

शिक्षा

लाजपत राय की शिक्षा पाँचवें वर्ष में आरम्भ हुई। सन 1880 में उन्होंने कलकत्ता तथा पंजाब विश्वविद्यालय से एंट्रेंस की परीक्षा एक वर्ष में उत्तीर्ण की और आगे पढ़ने के लिए लाहौर आ गए। यहाँ वे गर्वमेंट कॉलेज में प्रविष्ट हुए और 1882 में एफ. ए. की परीक्षा तथा मुख़्तारी की परीक्षा साथ-साथ उत्तीर्ण की। यहीं वे आर्य समाज के सम्पर्क में आये और उसके सदस्य बन गये।

वकालत

लाला लाजपत राय ने एक मुख़्तार (छोटा वकील) के रूप में अपने मूल निवास स्थल जगराँव में ही वकालत आरम्भ कर दी थी; किन्तु यह क़स्बा बहुत छोटा था, जहाँ उनके कार्य के बढ़ने की अधिक सम्भावना नहीं थी। अतः वे रोहतक चले गये। उन दिनों पंजाब प्रदेश में वर्तमान हरियाणा, हिमाचल तथा आज के पाकिस्तानी पंजाब का भी समावेश था। रोहतक में रहते हुए ही उन्होंने 1885 ई. में वकालत की परीक्षा उत्तीर्ण की। 1886 में वे हिसार आए। एक सफल वकील के रूप में 1892 तक वे यहीं रहे और इसी वर्ष लाहौर आये। तब से लाहौर ही उनकी सार्वजनिक गतिविधियों का केन्द्र बन गया।

आर्य समाज में प्रवेश

सन 1882 के अंतिम दिनों में लाजपत राय पहली बार आर्य समाज के लाहौर के वार्षिक उत्सव में सम्मिलित हुए। इस मार्मिक प्रसंग का वर्णन लालाजी ने अपनी आत्मकथा में इस प्रकार किया है-

उस दिन स्वर्गीय लाला मदनसिंह बी.ए. का व्याख्यान था। उनको मुझसे बहुत प्रेम था। उन्होंने व्याख्यान देने से पहले समाज मंदिर की छत पर मुझे अपना लिखा व्याख्यान सुनाया और मेरी सम्मति पूछी। मैंने उस व्याख्यान को बहुत पसन्द किया। जब मैं छत से नीचे उतरा तो लाला साईंदासजी ने मुझे पकड़ लिया और अलग ले जाकर कहने लगे कि- हमने बहुत समय तक इन्तज़ार किया है कि तुम हमारे साथ मिल जाओ। मैं उस घड़ी को भूल नहीं सकता। वह मेरे से बातें करते थे, मेरे मुँह की ओर देखते थे, तथा प्यार से पीठ पर हाथ फेरते थे। मैंने उनको जवाब दिया कि- मैं तो उनके साथ हूँ। मेरा इतना कहना था कि उन्होंने फौरन समाज के सभासद बनने का प्रार्थना-पत्र मंगवाया और मेरे सामने रख दिया। मैं दो-चार मिनट तक सोचता रहा, परन्तु उन्होंने कहा कि- मैं तुम्हारे हस्ताक्षर लिए बिना तुम्हें जाने न दूँगा। मैंने फौरन हस्ताक्षर कर दिए। उस समय उनके चेहरे पर प्रसन्नता की जो झलक थी, उसका वर्णन मैं नहीं कर सकता। ऐसा मालूम होता था कि उनको हिन्दुस्तान की बादशाहत मिल गयी है। उन्होंने एकदम पण्डित गुरुदत्त को बुलाया और सारा हाल सुनाकर मुझे उनके हवाले कर दिया। वह भी बहुत खुश हुए। लाला मदनसिंह के व्याख्यान की समाप्ति पर लाला साँईदास ने मुझे और पण्डित गुरुदत्त को मंच पर खड़ा कर किया। हम दोनों से व्याखान दिलवाये। लोग बहुत खुश हुए और खूब तालियाँ बजाई। इन तालियों ने मेरे दिल पर जादू का-सा असर किया। मैं प्रसन्नता और सफलता की मस्ती में झूमता हुआ अपने घर लौटा। यह है लालाजी के आर्य समाज में प्रवेश की कथा।

डी.ए.वी. कॉलेज की स्थापना

लाला साँईदास आर्य समाज के प्रति इतने अधिक समर्पित थे कि वे होनहार नवयुवकों को इस संस्था में प्रविष्ट करने के लिए सदा तत्पर रहते थे। स्वामी श्रद्धानन्द को आर्य समाज में लाने का श्रेय भी उन्हें ही है। 30 अक्टूबर, 1883 को जब अजमेर में स्वामी दयानन्द का देहान्त हो गया तो 9 नवम्बर, 1883 को लाहौर में आर्य समाज की ओर से एक शोक सभा का आयोजन किया गया। इस सभा के अन्त में यह निश्चित हुआ कि स्वामी जी की स्मृति में एक ऐसे महाविद्यालय की स्थापना की जाये, जिसमें वैदिक साहित्य, संस्कृति तथा हिन्दी की उच्च शिक्षा के साथ-साथ अंग्रेज़ी और पाश्चात्य ज्ञान-विज्ञान में भी छात्रों को दक्षता प्राप्त कराई जाये। 1886 में जब इस शिक्षण संस्थान की स्थापना हुई तो आर्य समाज के अन्य नेताओं के साथ लाला लाजपत राय का भी इसके संचालन में महत्त्वपूर्ण योगदान रहा तथा वे कालान्तर में डी.ए.वी. कॉलेज, लाहौर के महान् स्तम्भ बने। पंजाब के दयानन्द एंग्लो वैदिक कॉलेज की स्थापना के लिए लाजपत राय ने अथक प्रयास किये थे। स्वामी दयानन्द के साथ मिलकर उन्होंने आर्य समाज को पंजाब में लोकप्रिय बनाया था। आर्य समाज के सक्रिय कार्यकर्ता होने के नाते उन्होंने दयानंद कॉलेज के लिए कोष इकट्ठा करने का काम भी किया। डी.ए.वी. कॉलेज पहले लाहौर में स्थापित किया था। लाला हंसराज के साथ दयानन्द एंग्लो वैदिक विद्यालयों (डी.ए.वी.) का प्रसार भी लालाजी ने किया। उनकी आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानंद एवं उनके कार्यों के प्रति अनन्य निष्ठा थी। स्वामी जी के देहावसान के बाद उन्होंने आर्य समाज के कार्यों को पूरा करने के लिए स्वयं को समर्पित कर दिया था। हिन्दू धर्म में व्याप्त कुरीतियों के विरुद्ध संघर्ष, प्राचीन और आधुनिक शिक्षा पद्धति में समन्वय, हिन्दी भाषा की श्रेष्ठता और स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए आर-पार की लड़ाई आर्य समाज से मिले संस्कारों के ही परिणाम थे।

आदर्श

इटली के क्रांतिकारी ज्यूसेपे मेत्सिनी को लाजपत राय अपना आदर्श मानते थे। किसी पुस्तक में उन्होंने जब मेत्सिनी का भाषण पढ़ा तो उससे इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने मेत्सिनी की जीवनी पढ़नी चाही। वह भारत में उपलब्ध नहीं थी। उन्होंने उसे इंग्लैण्ड से मंगवाया। मेत्सिनी द्वारा लिखी गई अभूतपूर्व पुस्तक 'ड्यूटीज ऑफ़ मैन' का लाला लाजपत राय ने उर्दू में अनुवाद किया। इस पांडुलिपि को उन्होंने लाहौर के एक पत्रकार को पढ़ने के लिए दिया। उस पत्रकार ने उसमें थोड़ा बहुत संशोधन किया और अपने नाम से छपवा दिया।

कांग्रेस के कार्यकर्ता

लाला लाजपत राय जब हिसार में वकालत करते थे, तब उन्होंने कांग्रेस की बैठकों में भी भाग लेना शुरू कर दिया और धीरे-धीरे कांग्रेस के सक्रिय कार्यकर्ता बन गए। 1892 में वे लाहौर चले गए। उनके हृदय में राष्ट्रीय भावना भी बचपन से ही अंकुरित हो उठी थी।

1888 के कांग्रेस के प्रयाग सम्मेलन में वे मात्र 23 वर्ष की आयु में शामिल हुए थे। कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन को सफल बनाने में लालाजी का ही हाथ था।

नेहरू से मनमोहन सिंह तक... पांच प्रधानमंत्री, जिन्होंने बजट भी पेश किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को मोदी 3.0 का दूसरा पूर्ण बजट पेश करेंगी। यह बजट सरकार की आर्थिक नीतियों और देश की आर्थिक दिशा को काफी हद तक स्पष्ट करेगा। अगर बजट की बात करें, तो इसने देश की आर्थिक दिशा और दशा को बदलने में अहम भूमिका निभाई है। इसने कई ऐतिहासिक पल भी देखे हैं। जैसे कि बजट को ऐसे लोगों ने भी पेश किया है, जो उस वक्त प्रधानमंत्री थे या फिर बाद में प्रधानमंत्री बने। आइए ऐसी शख्सियतों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

जवाहरलाल नेहरू- जवाहरलाल नेहरू भारत के पहले प्रधानमंत्री थे। उन्होंने प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए 1958 में केंद्रीय बजट पेश किया। इसकी वजह भी काफी दिलचस्प थी। दरअसल, उस वक्त वित्त मंत्री टी टी कृष्णमाचारी थे। लेकिन, बजट से ठीक पहले मुंद्रा घोटाला उजागर हुआ। उसमें कृष्णमाचारी का नाम भी शामिल था। इस घोटाले चलते वित्त मंत्री को इस्तीफा देना पड़ा। उनकी जगह नेहरू ने वित्त मंत्रालय की जिम्मेदारी संभाली और खुद बजट पेश किया।

मोरारजी देसाई- मोरारजी देसाई के नाम भारत में सबसे ज्यादा केंद्रीय बजट पेश करने का रिकॉर्ड है। वह जनता पार्टी के साथ 1977 से 1979 तक प्रधानमंत्री रहे थे। मोरारजी देसाई ने 8 पूर्ण और 2 अंतरिम बजट समेत कुल 10 बजट पेश किए। वित्त मंत्री के तौर पर अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने 1959 से 1963 तक लगातार बजट पेश किए। साथ ही 1962 का अंतरिम बजट भी पेश किया। उन्होंने 1967 के अंतरिम बजट के साथ-साथ 1967, 1968 और 1969 के बजट भी पेश किए।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को मोदी 3.0 का दूसरा पूर्ण बजट पेश करेंगी। यह बजट सरकार की आर्थिक नीतियों और देश की आर्थिक दिशा को काफी हद तक स्पष्ट करेगा। अगर बजट की बात करें, तो इसने देश की आर्थिक दिशा और दशा को बदलने में अहम भूमिका निभाई है। इसने कई ऐतिहासिक पल भी देखे हैं। जैसे कि बजट को ऐसे लोगों ने भी पेश किया है, जो उस वक्त प्रधानमंत्री थे या फिर बाद में प्रधानमंत्री बने।

सीमेंट कंपनी ने बाजार की गिरावट में किया कमाल, शेयरों में 13% की उछाल

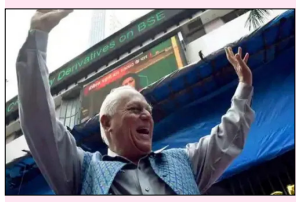

नई दिल्ली (एजेंसी)। हीडलबर्ग सीमेंट इंडिया के शेयरों में आज तेजी देखने को मिली। एक तरफ जहां शेयर बाजार जूझता नजर आ रहा है तो वहीं, हीडलबर्गसीमेंट इंडिया लिमिटेड के शेयरों में 13 प्रतिशत की उछाल देखने को मिली। आज कंपनी के शेयरों की खूब खरीद और बिक्री हुई है। बता दें, बीएसई में आज कंपनी के शेयर 219.20 रुपये के लेवल पर खुला था। कंपनी के शेयर दिन में 242 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया।

आज 4.62 मिलियन से अधिक कंपनी के शेयरों की एनएसई और बीएसई में खरीद बिक्री हुई है। जोकि फ्री फ्लोट इक्विटी का 6.7 प्रतिशत हिस्से के बराबर है। तीसरी तिमाही के अंततक कंपनी में प्रमोटर्स की कुल हिस्सेदारी 69.39 प्रतिशत थी।

अल्ट्राटेक की है कंपनी के इंडिया बिजनेस पर नजर? - 7 अक्टूबर 2024 को सीमेंट कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में 257.85 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। तब खबर आई थी कि अम्बुजा सीमेंट कंपनी के इंडिया बिजनेस को खरीदने को लेकर बातचीत कर रहा है। कंपनी को इसके लिए 10,000 करोड़ रुपये खर्च करने पड़े थे। हालांकि, तब कंपनी ने इन तमाम चर्चाओं को नकार दिया था। बता दें, अब एक बार फिर से इस बात की चर्चा जोरों पर है कि अल्ट्राटेक सीमेंट इस जर्मन कंपनी के इंडिया बिजनेस को खरीदने को लेकर बातचीत कर रहा है।

प्लास्टिक बैग, मल्टीलेयर पैकेजिंग को लेकर भारत में बदलने जा रहे नियम, एक जुलाई से देनी होगी ये जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में प्लास्टिक कैरी बैग और पैकेजिंग के प्रत्येक निर्माता, ब्रांड मालिक को 1 जुलाई से पैकेजिंग पर बारकोड में प्लास्टिक की मोटाई और निर्माता के नाम सहित अपने सभी डिटेल प्रदान करने होंगे।

इस संबंध में इस हफ्ते पर्यावरण मंत्रालय की तरफ से अधिसूचित नए नियम टॉप प्लास्टिक प्रबंधन नियम, 2016 के तहत 120 माइक्रोन से कम मोटाई के प्रतिबंधित कैरी बैग की सख्त निगरानी सुनिश्चित करने में मदद करेंगे। टॉप नियम देश में पर्यावरण की दृष्टि से सुदृढ़ प्लास्टिक प्रबंधन के लिए वैधानिक ढांचे का प्रावधान करते हैं।

प्लास्टिक वस्तुओं के इस्तेमाल पर रोक

मंत्रालय ने 2021 में संशोधित नियमों को अधिसूचित किया था, जिसमें 1 जुलाई, 2022 से कम इस्तेमाल और उच्च कूड़ा फैलाने की क्षमता वाली पहचानी गई सोलो वाली प्लास्टिक वस्तुओं के इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई थी। संशोधित नियमों में 31 दिसंबर, 2022 से 120 माइक्रोन से कम मोटाई वाले प्लास्टिक कैरी बैग के निर्माण, आयात, स्टॉकिंग, बांटना, बिक्री और इस्तेमाल पर भी बैन लगा दिया गया है।

नई किया फॉलो तो मिलेगी ये सजा- बारकोड में जानकारी प्रदान करने के नए नियमों में कार्रवाई का प्रावधान है।

पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 15 के तहत उल्लंघन, कानून के तहत, किसी भी विफलता या उल्लंघन पर कारावास की सजा हो सकती है जिसे पांच साल तक बढ़ाया जा सकता है या जुर्माना लगाया जा सकता है।

एक लाख रुपये तक या दोनों के साथ बढ़ाया जा सकता है। यदि विफलता जारी रहती है, तो कानून अतिरिक्त जुर्माने का प्रावधान करता है जो इस तरह के पहले उल्लंघन के लिए दोषी ठहराए जाने के बाद हर दिन के लिए 5,000 रुपए तक बढ़ सकता है।

महाकुंभ में एयरलाइन कंपनियों की मनमानी, प्रयागराज के लिए 50000 तक पहुंच गया हवाई टिकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी 29 जनवरी को मौनी अमावस्या से पहले ही उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा है। इस समय प्रयागराज में देश दुनिया से लोग पहुंच रहे हैं। यही वजह है कि इस रूट के लिए हवाई किराए में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी जा रही है। हवाई किराए में इस समय करीबन 600 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी जा रही है। हालांकि, अब नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने महाकुंभ के मद्देनजर एयरलाइन कंपनियों से प्रयागराज जाने वाली उड़ानों के हवाई किराए को तर्कसंगत बनाने को कहा है। बता दें कि महाकुंभ में अब तक 12 करोड़ से अधिक लोग आस्था की डुबकी लगा चुके हैं और 29 जनवरी को मौनी अमावस्या के मौके पर करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु डुबकी लगाएंगे।

किस रूट पर कितना किराया- ट्रैवल पोर्टल स्काईस्कैनर के अनुसार, दिल्ली-प्रयागराज के लिए हवाई टिकट की कीमतें आसमान पर हैं। सोमवार सुबह 11:00 बजे तक वन-वे टिकट की कीमत 21,000 रुपये से अधिक देखी गई थी। मुंबई से प्रयागराज के टिकट की कीमत 22,000 से 60,000 रुपये के बीच है। बेंगलुरु से आने वाले तीर्थयात्रियों को सीधे एक तरफ के टिकट के लिए 26,000 रुपये से 48,000 रुपये के बीच है। आमतौर पर इस इन शहरों की एकतरफा किराया लगभग 5,000 से 7000 रुपये होता है।

सेबी को मिलेगा नया चीफ, सरकार ने मंगाया आवेदन

नई दिल्ली (एजेंसी)। मार्केट रेगुलेटर सेबी की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच का कार्यकाल पूरा होने वाला है। सरकार ने उनकी जगह नए चेयरपर्सन के लिए आवेदन मंगाया है। मौजूदा चेयरपर्सन बुच का तीन साल का कार्यकाल 28 फरवरी को खत्म हो रहा है। बुच ने 2 मार्च, 2022 को पदभार संभाला था।

वित्त मंत्रालय के तहत आर्थिक मामलों के विभाग ने एक सार्वजनिक विज्ञापन में 17 फरवरी तक उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। मंत्रालय ने कहा, नियुक्ति कार्यभार संभालने की तारीख से अधिकतम 5 साल की अवधि के लिए या नियुक्त व्यक्ति की उम्र 65 साल होने तक, जो भी पहले हो, के लिए की जाएगी।

कितना होगा वेतन- सरकारी विज्ञापन के मुताबिक, सेबी चेयरपर्सन को भारत सरकार के सचिव के बराबर वेतन मिलेगा। यह फिलहाल 5,62,500 रुपये महीना है। इसमें घर और गाड़ी की सुविधा शामिल नहीं है। वित्त मंत्रालय का यह भी कहना है कि रेगुलेटर के तौर पर सेबी की भूमिका काफी अहम है। ऐसे में चेयरपर्सन के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवार को कुछ पैमानों पर खरा उतरना होगा। विज्ञापन के मुताबिक, उम्मीदवार निष्ठावान और प्रतिष्ठित शख्स होना चाहिए। उसकी 25 साल से अधिक और 50 साल से कम होने चाहिए। उम्मीदवार के पास सिक्योरिटीज मार्केट से संबंधित समस्याओं से निपटने में दिखाई गई क्षमता, या कानून, वित्त, अर्थशास्त्र, लेखाशास्त्र का विशेष ज्ञान या अनुभव होना चाहिए, जो केंद्र सरकार की राय में बोर्ड के लिए उपयोगी होगा।% हितों का टकराव न हो - साथ ही विज्ञापन में कहा गया है, ÷सेबी चेयरपर्सन ऐसा व्यक्ति होना चाहिए, जिसके पास ऐसे कोई वित्तीय या अन्य हित न हों और न ही आगे होंगे, जो चेयरपर्सन के रूप में उसके कामकाज को नकारात्मक तौर पर प्रभावित कर सकें।

सरकार वित्तीय क्षेत्र नियामक नियुक्ति खोज समिति की सिफारिश पर सेबी अध्यक्ष की नियुक्ति करेगी। समिति योग्यता के आधार पर किसी अन्य व्यक्ति की भी सिफारिश करने के लिए स्वतंत्र है, जिसने पद के लिए आवेदन नहीं किया है।

श्रीधर वेम्बु ने जोहो कॉर्प के सीईओ पद से दिया इस्तीफा, अब चीफ साइंटिस्ट की रोल में आएंगे नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। जोहो कॉर्प के संस्थापक श्रीधर वेम्बु ने सॉफ्टवेयर फर्म के सीईओ के रूप में पद छोड़ दिया है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि वह कंपनी के चीफ साइंटिस्ट के रूप में रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर फोकस करेंगे। उन्होंने कहा, आज से एक नया अध्याय शुरू हुआ है। AI में हाल के प्रमुख घटनाक्रमों सहित हमारे सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों और अवसरों को देखते हुए, यह निर्णय लिया है कि यह सबसे अच्छा है कि मुझे अपने पर्सनल ग्रामीण विकास मिशन को आगे बढ़ाने के साथ-साथ आर एंड डी पहल पर फोकस करना चाहिए।

वे लिखते हैं, मैं जोहो कॉर्प के सीईओ के रूप में पद छोड़ रहा हूं और मुख्य वैज्ञानिक के रूप में एक नई भूमिका में रहूंगा। हमारे सह-संस्थापक शैलेश कुमार डेवी हमारे नए समूह के सीईओ के रूप में काम करेंगे। सह-संस्थापक टोनी थॉमस जोहो यूएस का नेतृत्व करेंगे। राजेश गणेशन हमारे मैनेज इंजन डिवीजन का नेतृत्व करेंगे और मणि वेम्बू http://Zoho.com डिवीजन का नेतृत्व करेंगे।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

जिले भर में हर्षोल्लास से मनाया गया गणतंत्र दिवस मुख्य समारोह में लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने फहराया राष्ट्र ध्वज

जबलपुर। राष्ट्र का 76 वाँ गणतंत्र दिवस जिले भर में हर्षोल्लास से मनाया गया। गणतंत्र दिवस का जिले का मुख्य समारोह यहां सिविल लाइन स्थित पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में आयोजित किया गया, जहां मुख्य अतिथि लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया और परेड की सलामी ली। गणतंत्र दिवस के जिले के मुख्य समारोह में राष्ट्र ध्वज तिरंगा फहराने के बाद लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने खुली सफेद जिप्सी में कलेक्टर दीपक सक्सेना एवं पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय के साथ परेड का निरीक्षण किया। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का प्रदेश की जनता के नाम गणतंत्र दिवस के संदेश का वाचन किया। इस मौके पर सशस्त्र बलों ने हर्षफायर किये तथा पुलिस बैंड द्वारा राष्ट्रगान की धुन बजाई गई। लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह ने तिरंगे के तीन रंगों के गुब्बारे मुक्त आकाश में छोड़े। समारोह में परेड द्वारा शानदार मार्चपास्ट प्रस्तुत किया गया।

मार्चपास्ट में एसटीएफ, कम्पेक्ट प्लाटून छठवीं वाहिनी, होमगार्ड, जिला पुलिस बल पुरूष, जिला पुलिस बल महिला, नेशनल कैडेट कोर की नेवल यूनिट, नेशनल कैडेट कोर की सीनियर तथा जूनियर डिवीजन की बालक एवं बालिका स्काउट एवं गाईड तथा शौर्य दल की प्लाटून शामिल थीं। परेड का नेतृत्व रक्षित निरीक्षक श्री जय प्रकाश आर्य ने किया। परेड के उप कमांडर सूबेदार अमित शिववंशी थे। मुख्य अतिथि लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह मंत्री ने परेड की सलामी ली तथा मार्चपास्ट के बाद प्लाटून कमाण्डरों से परिचय प्राप्त किया। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों एवं लोकतंत्र सेनानियों का शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान भी किया। गणतंत्र दिवस की 75वीं वर्षगांठ पर आयोजित जिले के इस मुख्य समारोह में शालेय छात्र-छात्राओं ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

भारत की विविध सांस्कृतिक विशेषताओं से परिचय कराते हुए इन बच्चों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में सत्यप्रकाश पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने जहां लोकनृत्य के माध्यम से पंजाब की छठा को बिखेरा, तो वहीं पोदार इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने असम एवं बंगाल की संस्कृतियों पर आधारित नृत्य की प्रस्तुत कर समारोह में इन राज्यों की अमिट छाप छोड़ दी। समारोह में घमापुर स्थित क्राइस्ट चर्च डायसेशन स्कूल के छात्र छात्राओं ने सामूहिक नृत्य प्रस्तुत कर राष्ट्रभक्ति की अलख जगाई। स्टेमफील्ड इंटरनेशनल स्कूल की विद्यार्थियों ने गणेश वंदना और वंदे मातरम गीतों की पर शानदार नृत्य प्रस्तुत किए। समारोह में सेंट नॉरबर्ट स्कूल की छात्राओं ने भारत का चेहरा गीत पर फ्यूजन नृत्य और बिलाबाँग इंटरनेशनल हाई स्कूल ने देशभक्ति गीतों पर मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी।

जापानी इंसेफेलाइटिस वायरस ने बढ़ाई चिंता

ग्वालियर। जापानी इंसेफेलाइटिस वायरस ने चिंता बढ़ा दी है। सागरताल टंकी वाले हनुमान मंदिर के पास सरकारी आवास में दो नए मरीजों की पुष्टि हुई है। जांच के लिए 11 सैंपल गजराराजा मेडिकल कॉलेज की माइक्रोबायोलाजी लैब भेजे गए थे।

जांच में 30 वर्षीय महिला व 56 वर्षीय पुरुष की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। दो दिन पहले 14 वर्षीय किशोरी में वायरस की पुष्टि हुई थी। अब तक जापानी इंसेफेलाइटिस से पीड़ित तीन मरीज मिले चुके हैं। दो नए मरीज मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। मलेरिया विभाग की टीम लार्वा सर्वे करने पहुंची। वहीं पशु चिकित्सा विभाग ने सर्वे कर सूअर तलाशे, लेकिन एक भी सूअर नहीं मिला।

11 मरीजों के सैंपल लिए, 2 मिले पॉजिटिव- गजराराजा मेडिकल कॉलेज की माइक्रोबायोलाजी लैब की रिपोर्ट में रेखा शर्मा

(30) व राजेन्द्र प्रसाद (56) को जापानी इंसेफेलाइटिस वायरस की पुष्टि हुई। वहीं नौ की रिपोर्ट निगेटिव आई।

जिला अस्पताल मुरार के पैथोलॉजिस्ट डॉ. हरेन्द्र सिंह, महामारी विशेषज्ञ डॉ. महेन्द्र पिपरोलिया, जिला मलेरिया अधिकारी डा. विनोद कुमार दोनेरिया टीम के साथ सागरताल टंकी वाले हनुमान मंदिर के पास सरकारी आवास पहुंचे थे।

किशोरी के स्वजन समेत 11 लोगों के सैंपल लिए थे। पॉजिटिव आए मरीजों की कोई ट्रैवल हिस्ट्री नहीं मिली है। वहीं क्षेत्र में सूअर भी नहीं मिले। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग की टीम वायरस सरकारी आवास पहुंचने के कारणों की जांच कर रही है।

पॉजिटिव मरीजों के स्वास्थ्य की जांच करेगा दल- मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव ने बताया कि 14 वर्षीय किशोरी के जापानी इंसेफेलाइटिस संक्रमित मिलने के बाद अन्य लोगों की जांच कराई थी। इसमें दो नए पॉजिटिव मिले हैं। इनके स्वास्थ्य की जांच चिकित्सकीय दल भेजकर कराई जाएगी। मलेरिया विभाग की टीम ने पूरे सरकारी आवास में लार्वा सर्वे कर चुकी है। सरकारी आवास में लार्वा नहीं मिला है।

जापानी इंसेफेलाइटिस के लक्षण व खतरा- जापानी इंसेफेलाइटिस मच्छरों द्वारा फैलने वाला एक खतरनाक वायरल संक्रमण है, जो मस्तिष्क को प्रभावित करता है। संक्रमित मच्छरों के काटने से यह बीमारी फैलती है।

इसके अधिकांश मामलों में हल्के लक्षण होते हैं। जैसे बुखार, सिरदर्द और उल्टी लेकिन गंभीर मामलों में मस्तिष्क में सूजन, दौरे और कोमा जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

खासकर बच्चों में इस बीमारी के कारण दौरे और मस्तिष्क संबंधी लक्षण ज्यादा देखे जाते हैं। इस बीमारी का खतरा उन क्षेत्रों में अधिक होता है, जहां स्वच्छता की कमी होती है और मच्छरों का प्रजनन तेजी से होता है।

कांग्रेस विधायक हेमंत कटारे ने शराबबंदी को प्रोपेगेंडा बताया

मुरैना। प्रदेश के धार्मिक स्थलों पर शराबबंदी को लेकर मप्र विधानसभा के उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने सरकार को घेरा है। कटारे ने आरोप लगाते हुए कहा, शराबबंदी के नाम पर सरकार जो बिल लेकर आई है, उसे कालाबाजारी की बढ़ोतरी का बिल कहिए, इससे शराब माफिया प्रदेश में और हावी होगा।

कटारे ने शनिवार को मुरैना में कुछ और मंदिरों के आस-पास शराबबंदी न किए जाने पर कहा कि, ÷मैं मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव से पूछना चाहता हूं, क्या वह भिंड के दंदरौआ मंदिर, मुरैना के करहधाम और ऐंती धाम शनि मंदिर को धार्मिक स्थल नहीं मानते क्या? यहां शराबबंदी क्यों नहीं की जा रही। हेमंत कटारे ने कहा, कि प्रदेश सरकार ने कैबिनेट बैठक में शराबबंदी को जो फैसला लिया है, वह केवल प्रोपेगेंडा है। यह शराबबंदी नहीं, है बल्कि धार्मिक स्थलों वाली कुछ जगहों पर शराब के ठेके बंद किए जा रहे हैं। इसका फायदा अवैध शराब का काम करने वाले भाजपा के लोगों को होगा। शराब के कमीशन पर अभी 10-20 रुपया मिल रहा था, अब हजार-हजार रुपये का कमीशन कमाएंगे। कालाबाजारी होगी तो मनमाना रेट होगा। शराब से कालाबाजारी को किस तरह बढ़ावा मिले, यह मोहन यादव सरकार की पहल है। मोहन कैबिनेट ने प्रदेश के धार्मिक महत्व वाले 19 नगरों-ग्रामों में शराबबंदी के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी है। इन्हें पवित्र क्षेत्र घोषित किया गया है। इनमें एक नगर निगम, छह नगर पालिकाएं, छह नगर परिषद और छह ग्राम पंचायतें शामिल हैं।

कठौंदा के थोक पटाखा बाजार में आग लगने से कई दुकानें हुई जलकर खाक

जबलपुर। कठौंदा थोक पटाखा बाजार में रविवार की शाम आग लग गई। आग शाम करीब चार बजे लगी। चंद मिनट में पटाखों से भरी दुकानों से तेज धमाकों के साथ तेज लपटे और धुंआ उठता देख आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया। व्यापारी आग बुझाने में जुट गए। फायर बिग्रेड की गाड़ी कुछ देर में पहुंची और आग बुझाने लगी। आग एक दुकान से आसपास की पांच दुकानों में पहुंच गई। पटाखों के बारूद दुकानों के आसपास गिरने से आग की लपटे बाहर तक पहुंच गई। दुकानों के बाहर खडे दर्जनभर दो पहिया वाहन पूरी तरह से आग में खाक हो गए। दो घंटे में आग पर नियंत्रण- करीब दो घंटे में आग पर नियंत्रण पा लिया गया। प्रशासन ने पांच दुकानों के पूरी तरह से नष्ट होने की जानकारी दी। कलेक्टर दीपक सक्सेना घटना की जानकारी लगते ही मौके पर पहुंचे और हालात की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आग पर नियंत्रण कर लिया गया है।

उन्होंने कहा कि इस घटना में फिलहाल किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। आग कैसे लगी इसकी वजह तलाशी जाएगी। इस दौरान लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, सांसद आशीष दुबे और विधायक डा.अभिलाष पांडे मौके पर पहुंचे और व्यापारियों से बातचीत की। पटाखा बाजार तीन सेक्टर में बंटा हुआ है। हर दुकान के बीच 6 फीट की दूरी है।

सात साल के बच्चे को कुत्तो ने नोंचा, शरीर पर 17 से अधिक जख्म; दो इंच चमड़ी सहित बाल उखड़े

ग्वालियर। ग्वालियर के सचिन तेंदुलकर मार्ग स्थित शारदा बाल ग्राम आश्रम परिसर में सात साल के बच्चे को कुत्तों ने नोंच-नोंचकर खाया, जिसमें उसके शरीर पर 17 से अधिक जगह न केवल जख्म हो गए, बल्कि सिर के पीछे की दो इंच चमड़ी सहित बाल उखड़ गए। जिसने भी इस घटना को देखा, उसके होश उड़ गए।

कुत्तों ने बच्चे के सिर से लेकर पैर तक को बुरी तरह नोंच डाला। घटना शुक्रवार की रात आश्रम परिसर में घटित हुई। आश्रम में रहकर पढ़ाई कर रहा बच्चा (सात वर्ष) अपने दोस्तों के साथ परिसर में खेल रहा था। इसी दौरान अचानक चार से पांच आवारा कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया।

जमीन पर गिरने के बाद नोचा- कुत्तों ने बच्चे को जमीन पर पटककर बुरी तरह नोंचा। इससे उसके चेहरे, हाथ, पैर और सिर में गहरे जख्म हो गए। रविकांत के चिल्लाने की आवाज सुनकर आश्रम में मौजूद कर्मचारी दौड़कर वहां पहुंचे। उन्होंने जैसे-तैसे रविकांत को कुत्तों से मुक्त कराया।

आनन-फानन में रविकांत को सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां उसे रेबीज से बचाव के लिए इंजेक्शन लगाए गए। इसके साथ ही शनिवार की दोपहर बच्चे का आपरेशन किया गया।

इंदौर का देश का वेटलैण्ड शहर बनना हमारे लिये गौरव का क्षण : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। प्रदेश के नाम एक ओर उपलब्धि तब जुड़ गई जब रामसर कन्वेंशन द्वारा इंदौर शहर को प्रतिष्ठित वेटलैण्ड सिटी घोषित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर की इस उपलब्धि को देश और प्रदेश की उपलब्धि बताया है। उन्होंने कहा कि यह मध्यप्रदेश केलिए गौरव का क्षण है। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में काम करने वाली अंतर्राष्ट्रीय संस्था रामसर द्वारा शनिवार को 31 वेटलैण्ड शहरों की सूची जारी की गई है। इसमें उन शहरों को सम्मानित किया गया है जो अपने वेटलैंड्स का संरक्षण करने के साथ-साथ शहरी विकास में भी उत्कृष्ट योगदान देते हैं। इसमें पहली बार देश के 2 शहरों इंदौर और उदयपुर को भी शामिल किया गया है।

देश की पहली वेटलैण्ड सिटी इंदौर-रामसर कन्वेंशन द्वारा शनिवार को दुनिया के 31 शहरों को वेटलैण्ड सिटी के रूप में मान्यता देते हुए घोषणा की है। देश में रामसर द्वारा पहली बार दो शहरों को एक साथ वेटलैण्ड शहर के रूप में मान्यता दी है। इनमें इंदौर और उदयपुर को देश के पहले दो शहरों के रूप में शामिल किया गया है। जारी सूची में शामिल विश्व के अन्य शहर इस प्रकार हैं - अर्जेंटीना के ट्रेलेव, बेल्जियम के मेचेलेन, बोत्सवाना के कसाने-कज़ुंगुला, शाकावे, चिली के वाल्डिविया, चीन के चोंगमिंग, डाली, फ़ूज़ौ, हांग्जो, जिउजियांग, ल्हासा, सूज़ौ, वेनझोउ, यूयांग, फ़्रांस के एब्बेविल, आर्ल्स, हैम्पिग्नी, ईरान (इस्लामिक गणराज्य) के बाबोल, बंदर किआशर, गैंडोमन, जापान के नागोया शहर, मोरक्को के मेहद्या, फिलीपींस के बलांगा शहर, पोलैंड के पॉज़्नान, कोरिया गणराज्य के गिम्हे, मुंगयोंग, सर्बिया के नोवी साद, स्विटजरलैंड के जिनेवा और जिम्बाब्वे के विक्टोरिया फॉल्स को भी शामिल किया गया है।

उल्लेखनीय है कि विगत दिनों केन्द्र सरकार द्वारा इंदौर का नाम रामसर कन्वेंशन को प्रतिष्ठित वेटलैंड सिटी के रूप में मान्यता प्रदान करने के लिए नामांकित किया गया था। केन्द्रीय पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव ने बताया कि इससे इंदौर और उदयपुर को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सकारात्मक ब्रांडिंग के रूप में पहचान मिलेगी।

पर्यावरण का सिरमौर बना इंदौर-पर्यावरण की दृष्टि से इंदौर शहर देश और प्रदेश की स्वच्छतम शहरों में से एक तो था ही, साथ में देश का पहला वेटलैण्ड शहर होने का गौरव इंदौर को मिला। औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित इंदौर पर्यावरण के क्षेत्र में भी संतुलन बनाए हुए है। इंदौर में सिरपुर और यशवंत सागर को रामसर साइट को पूर्व में ही घोषित किया जा चुका है। यहां झीलों के संरक्षण, पर्यावरण सुधार और पक्षियों के लिए आदर्श आवास की स्थिति विकसित करने के साथ ही सिरपुर को बर्ड सैंक्च्युअरी के रूप में विकसित किया जा रहा है।

रामसर साइट्स- रामसर संधि, जिसे ÷वेटलैंड्स पर हुई संधि÷ भी कहा जाता है। यह संधि वर्ष 1971 में ईरान के रामसर नामक स्थल पर विश्व के विभिन्न देशों ने हस्ताक्षरित की थी। इस प्रकार यह एक अंतर-सरकारी संधि है, जो आर्द्र भूमियों और उनके संसाधनों के संरक्षण के फ्रेमवर्क उपलब्ध करवाती। इन उपलब्ध मापदंड के अनुसार आर्द्र भूमि को संरक्षित करने सहायता प्राप्त होती है। इसी प्रकार वर्ष 2015 में रामसर कन्वेंशन के 12वीं कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज में वेटलैण्ड सिटी को मान्यता देने के लिए कार्यक्रम प्रारंभ किया गया था। वेटलैंड्स का संरक्षण करने के साथ शहरी विकास में भी उत्कृष्ट योगदान देने वाले शहरों को वेटलैण्ड शहर की मान्यता दी जाती है।

प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च में 76वाँ गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया

इंदौर। प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च (पीआईएमआर) में 76वाँ गणतंत्र दिवस समारोह अत्यंत हर्षोल्लास और देशभक्ति के भाव से ओतप्रोत वातावरण में मनाया गया। मुख्य अतिथि प्रेस्टीज समूह के सह-संस्थापक, प्रेस्टीज एजुकेशन फाउंडेशन के चेयरमैन और प्रेस्टीज यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. देविश जैन ने राष्ट्रध्वज फहराकर समारोह का शुभारंभ किया।

अपने प्रेरक संबोधन में डॉ. जैन ने कहा, ÷भारत एक युवा देश है, और इसकी प्रगति का आधार हमारी युवा पीढ़ी है। हमें अपने लक्ष्य पर अडिग रहकर तब तक प्रयास करना चाहिए, जब तक हम अपने उद्देश्यों को प्राप्त न कर लें। शिक्षा और कृषि, दोनों ही हमारे देश के विकास के मजबूत स्तंभ हैं, और प्रेस्टीज ग्रुप इन दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान दे रहा है। हमारा यह कर्तव्य है कि हम संविधान निर्माताओं के आदर्शों और उनके योगदान से प्रेरणा लेकर भारत को एक समृद्ध और सशक्त राष्ट्र बनाने में अपनी भूमिका निभाएं।÷

डॉ. जैन ने भारतीय संविधान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्रों से आग्रह किया कि वे अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सजग रहें और देश के विकास में सक्रिय भागीदार बनें।

कार्यक्रम में पीआईएमआर के ग्रुप डायरेक्टर डॉ. एस. एस. भाकर ने पर्यावरण सुरक्षा और ऊर्जा संरक्षण पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों और फैकल्टी से अपील की कि वे अपने दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलाव लाकर ऊर्जा की बचत करें। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों को फरवरी माह में 20ः बिजली बचाने का संकल्प भी दिलवाया।

समारोह के दौरान छात्रों ने नृत्य, कविता, भाषण और नाटक के माध्यम से रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इनमें संविधान सभा के गठन और भारतीय संविधान की ऐतिहासिक यात्रा को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम का समापन प्रेस्टीज यूजी के डायरेक्टर कर्नल डॉ. एस. रमन अय्यर के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने कहा, इस तरह के आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के साथ-साथ नई पीढ़ी को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करते हैं।÷ उन्होंने मुख्य अतिथि डॉ. देविश जैन, डॉ. एस. एस. भाकर, इंजीनियर कपिल जैन, पूजा जैन, और सभी उपस्थित छात्रों व फैकल्टी का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर प्रेस्टीज एजुकेशन फाउंडेशन के विभिन्न संस्थानों के छात्र-छात्राएं और शिक्षक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन संस्थान के वरिष्ठ फैकल्टी डॉ. सौरभ सिंह, अश्रु मित्रा और उनकी टीम के निर्देशन में किया गया। प्रेस्टीज इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट एंड रिसर्च (पीजी), प्रेस्टीज इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग मैनेजमेंट एंड रिसर्च के साथ साथ प्रेस्टीज शिक्षण समूह के अन्य संतानों में भी 76 वां गणतंत्र दिवस समारोह पूर्ण हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

जहां मैं खड़ा हूं, वहां आप भी हो सकते हैं खड़े :- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह के पश्चात पार्क रोड स्थित शासकीय उत्कृष्ट बाल विनय मंदिर विद्यालय पहुंचे। यहां वे गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में मध्यान्ह भोजन अन्तर्गत आयोजित विशेष भोज कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने स्कूली बच्चों के साथ बैठकर मध्यान्ह भोजन किया। मुख्यमंत्री जी ने स्कूली बच्चों को स्कूली बैग, पानी बॉटल आदि भी वितिरत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि एक शासकीय स्कूल में विज्ञान के प्रति कल्पनाशीलता के आधार पर जो हो सकता है वह इस स्कूल में देखकर अत्यंत प्रसन्नता हुई। उन्होंने गणतंत्र दिवस की सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शासकीय स्कूलों में शैक्षणिक सुविधाओं को बेहतर से बेहतर बनाने के लिये कारगर प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में शैक्षणिक सुधार की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई जन्मों के पुण्य के बाद मानव शरीर मिलता है। जीवन में ज्यादा से ज्यादा सीखें और ज्ञान अर्जित करें। परमात्मा ने प्रकृति के माध्यम से कई सारे रहस्यों को हमारे बीच विद्यमान किया है।

ज्ञान के बलबूते पर इन रहस्यों से सीख सकते हैं और वर्तमान में इसका सदुपयोग करके अपनी योग्यता साबित कर सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आगे कहा कि समय का सदुपयोग करें। अपनी योग्यता साबित करें और उन्नति करें। उन्होंने कहा कि मैं भी सरकारी स्कूल से पढ़कर निकला हूं, हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भी सरकारी स्कूल में पढ़े हैं। हम सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ने के अवसर समान रूप से सभी स्कूलों में पाते हैं। जहां मैं खड़ा हूं वहां आप भी खड़े हो सकते हैं।

यही लोकतंत्र की ताकत है। उन्होंने कहा कि बच्चे शिक्षा के साथ संस्कार भी प्राप्त करें। बागे बढ़े, उन्नति करें और देश के विकास में अपना योगदान दें। बच्चों को मध्यान्ह भोजन के तहत आलू, छोले, पूरी, खीर, लड्डू आदि परोसा गया। इस अवसर पर सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक श्री महेन्द्र हार्डिया, श्री मधु वर्मा, श्री गोलू शुक्ला, श्री गौरव रणदीवे, स्थानीय पार्षद श्री नन्दकिशोर पहाड़िया, संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, पुलिस कमिश्नर श्री संतोष सिंह कलेक्टर श्री आशीष सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन सहित जिले के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण और जनप्रतिनिधि तथा स्कूली बच्चे मौजूद थे।

राज्यपाल श्री पटेल ने गणतंत्र दिवस पर राजभवन में ध्वज फहराया

इंदौर। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने गणतंत्र दिवस के पावन पर्व पर राजभवन में ध्वज फहराया। इस अवसर पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री के.सी. गुप्ता सहित अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे। राज्यपाल श्री पटेल ने गणतंत्र दिवस की शुभकामनाओं का अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ आदान-प्रदान किया। राजभवन के अधिकारियों-कर्मचारियों को मिष्ठान भी वितिरत की गई। राज्यपाल के अपर सचिव श्री उमाशंकर भार्गव, विधि अधिकारी श्री उमेश कुमार श्रीवास्तव, परिसहाय द्वय श्री शशांक, श्री अतुल शर्मा, मुख्य सुरक्षा अधिकारी श्री अभिलाष भलावी सहित राजभवन के सभी विभागों, सुरक्षा बलों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं

इंदौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने प्रदेश के नागरिकों को 76 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। अपने शुभकामना संदेश में उन्होंने कहा है कि भारत में गणतंत्र की स्थापना के पावन दिवस पर आज हम देश के उन वीर सपूतों को याद करें, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया और देश में मजबूत गणतंत्र स्थापित करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

गणतंत्र दिवस के शुभ दिन पर संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहेब की जन्मस्थली में आकर उन्हें प्रणाम करना सौभाग्य की बात - मुख्यमंत्री

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव डॉ. भीमराव अंबेडकर की जन्मस्थली डॉ. अम्बेडकर नगर महू पहुंचे। यहां उन्होंने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज 26 जनवरी गणतंत्र दिवस हमारे लिये सबसे बड़ा त्यौहार है। बाबा साहेब के कारण ही हमारा गणतंत्र दुनिया में पहली बार जाना और पहचाना गया। बाबा साहेब की जन्मस्थली पंच तीर्थों में से एक प्रमुख स्थल है। आज गणतंत्र दिवस के शुभ दिन पर संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहेब की जन्मस्थली में आकर उन्हें प्रणाम करना सौभाग्य की बात है। यहाँ आना तीर्थ आने के बराबर है। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद सुश्री कविता पाटीदार और विधायक सुश्री उषा ठाकुर एवं अन्य जन प्रतिनिधि तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी गण भी मौजूद थे।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने स्वीप गतिविधियों के लिये झाबुआ कलेक्टर सुश्री नेहा मीणा को किया सम्मानित

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने झाबुआ कलेक्टर सुश्री नेहा मीणा को बेस्ट इलेक्टोरल प्रैक्टिस अवार्ड 2024-25 से सम्मानित होने पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। सुश्री मीणा को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा बेस्ट इलेक्टोरल प्रैक्टिसेज अवार्ड 2024-25 से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने झाबुआ कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री नेहा मीणा को स्वीप गतिविधियों के सफल संचालन के लिए वर्ष 2024-25 के लिए बेस्ट इलेक्टोरल प्रैक्टिसेज अवॉर्ड से सम्मानित किया। सुश्री मीणा ने झाबुआ जिले में भगोरिया उत्सव की पारंपरिक परिधान पहने शुभंकर युगल 'चुनावी काका - चुनावी काकी' का उपयोग कर स्वीप अभियान चलाया। इससे मतदाता जागरूकता को बढ़ावा मिला। दिल्ली स्थित मानेकशॉ सेंटर में 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम हुआ, जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त श्री राजीव कुमार और केन्द्रीय विधि और न्याय राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु द्वारा झाबुआ कलेक्टर सुश्री नेहा मीना को सम्मान प्रदान करना मध्यप्रदेश के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कलेक्टर सुश्री मीना ने निर्वाचन प्रक्रिया में मतदाताओं की सहभागिता बढ़ाने के लिए अनुकरणीय नवाचार किए हैं, जो लोकतंत्र के सतत् विकास और उसकी समृद्धि के प्रयासों को एक नई दिशा प्रदान करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम में सम्मानित देश के सभी प्रतिभागी भी उनके उत्कृष्ट योगदान और सम्मान के लिए बधाई के पात्र हैं।

मृत्युंजय महाकाल त्राहिमाम शरणागतः ,
जन्म मृत्यु जरा व्याधि पीड़ितो कर्म बंधनाह
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर प्रभु सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

अधिकारियों एवं जवानों को 26 जनवरी पर किया गया पुरस्कृत

उज्जैन। डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेन्ट, होमगार्ड / एसडीईआरएफ श्री संतोष कुमार जाट ने बताया कि राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस के अवसर पर कलेक्टर जिला उज्जैन द्वारा दशहरा मैदान परेड ग्राउंड पर वर्ष के दौरान महत्वपूर्ण रेस्क्यू कार्यों, पर्व, त्यौहारों को सुरक्षित बनाने वाले होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरुस्कृत किया गया। वर्षा ऋतु के दौरान अत्याधिक भारी वर्षा के समय घाटों पर महत्वपूर्ण रेस्क्यू के दौरान जवानों का मार्गदर्शन एवं जवानों को प्रोत्साहित कर रेस्क्यू कार्य करवाने के फलस्वरूप प्लाटून कमांडर सुश्री गायत्री वर्मा एवं एसडीईआरएफ के जवानों को महत्वपूर्ण रेस्क्यू कार्य, एवं आपदा प्रबंधन ड्यूटी करने हेतु मंच से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया साथ ही जवानों को भी प्रशस्ति पत्र प्रदाय किये गये।

विदित होवे कि वर्ष के दौरान मोक्ष दायिनी क्षिप्रा नदीं के तट पर बने, रामघाट, नृसिंह घाट, दत्तअखाडा घाट, सिद्धवट घाट, मंगलनाथ घाट, केडी पैलेस बावन कुण्ड आदि घाटों पर देश भर से बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण श्रद्धा की डुबकी लगाने एवं श्री महाकाल दर्शन हेतु उज्जैन आते हैं, लेकिन कई बार स्नान के दौरान श्रद्धालु गहने पानी में चले जात हैं एवं डूब की घटना का शिकार हो जाते हैं, ऐसे समय घाट पर तैनात होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ के अधिकारी एवं जवान अपनी जान की परवाह किये बिना अपने कर्तव्यों का पालन कर श्रद्धालुओं के प्राणों की रक्षा करते है। वर्ष 2024 में 01 जनवरी से 31 दिसम्बर के बीच 216 पुरुष एवं 140 महिलाओं को एसडीईआरएफ एवं होमगार्ड के जवानों द्वारा जीवित बचाया गया।

डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेन्ट, होमगार्ड / एसडीईआरएफ श्री संतोष कुमार जाट ने जानकारी दी कि रामघाट पर क्षिप्रा नदीं में डूबकी लगाने आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था हेतु सम्पूर्ण घाटों पर होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ के कुशल जवानों को मोटरबोट एवं अन्य आपदा उपकरणों के साथ तैनात किया गया है। करीब 32 जवान 03 शिफ्टों में तैनात किये गये हैं, जो कि आपदा प्रशिक्षणों में निपुण है, जिनकी तैनाती के पश्चात ही रामघाट पर डूब की घटनाओं में कमी आई है। जिसके फलस्वरूप 26 जनवरी 2025 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर अधिकारी एवं जवानों को पुरुस्कृत किया गया।

राजपूत समाज के परिचय सम्मेलन के फोल्डर का विमोचन संपन्न हुआ

उज्जैन। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा व राजपूत सोशल ग्रुप के माध्यम से 9 फरबरी 2025 को सुबह 11 बजे से शर्मा परिसर देवास रोड, उज्जैन मे होने वाले परिचय सम्मेलन के फोल्डर का विमोचन होटल महाकाल कनक मे सम्पन हुआ, कार्यक्रम सयोजक किशोर सिंह भदौरिया व नरेश सिंह भदौरिया ने जानकारी देते हुये बताया की परिचय सम्मेलन के लिये अभी तक करीब 600 प्रविष्टि प्राप्त हो चुकी है प्रविष्टि पुरे देश के साथ विदेश से भी प्राप्त हो रही है।

इंग्लैंड, कुबेत, अमेरिका से भी प्रविष्टि प्राप्त हुई है वो लोग वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये सम्मेलन मे जुड़ेंगे, कार्यक्रम के लिये समितिओं का भी गठन किया गया, कार्यक्रम मे समाज के विशिष्ट जनों का भी सम्मान किया जायेगा, कार्यक्रम पूर्णतः निशुल्क है, कार्यक्रम मे नाश्ता, खाना, प्रविष्टि, कुंडली मिलान सभी निशुल्क रखा गया है, इस बार जितनी भी प्रविष्टि प्राप्त होंगी उनको व्हाट्सप ग्रुप मे जोड़ा जायेगा जिनमे उनके डेटा वर्षभर अपडेट रहेंगे और कार्यक्रम के बाद भी प्राप्त होने वाले डेटा उसमे जुड़ते रहेंगे, जिससे विवाह होने मे अधिक परिणाम आएंगे, इस अवसर पर पिछले कार्यक्रम का आय व्यय उपस्थित सभी सक्रिय जनों को अवगत कराया गया, कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ श्री डॉ राम अवतार सिंह कुशवाह ने की, आभार रघुवीर सिंह बैस ने माना इस अवसर पर सर्व श्री रतन सिंह भदौरिया, राम नरेश सिंह भदौरिया, राणा प्रताप सिंह तोमर, मुनेन्द्र सिंह कुशवाह, छवि नंदन सिंह चौहान, सूर्य पाल सिंह कुशवाह, राकेश सिंह भदौरिया, शिवेंद्र सिंह भदौरिया सुंदर सिंह भदौरिया महेंद्र सिंह तोमर, राम किशन सिंह भदौरिया , जय हिन्द सिंह भदौरिया, मनोज सिंह भदौरिया, देवेंद्र सिंह सेंगर, जीतेन्द्र सिंह भदौरिया, अरविन्द सिंह कुशवाह, संजीव सिंह विजेंद्र सिंह कुशवाह,अतेन्द्र सिंह तोमर, अमित सिंह भदौरिया, पलाश सिंह भदौरिया, दिलीप सिंह, अक्षय सिंह सहित कई सक्रिय स्वजन उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस पर निकली भव्य तिरंगा यात्रा

उज्जैन। 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर कुंवर बना मित्र मंडली द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया।

कुंवर बन्ना के अनुसार 100 कारों और 1 हजार से अधिक दो पहिया वाहनों पर सवार होकर देशभक्त मोहन नगर चौराहे से निकले। यह भव्य तिरंगा यात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए टॉवर चौक पहुंची। यात्रा का सतत तीसरा वर्ष रहा जिसमें श्री श्री 1008 महंत योगी पीर रामनाथ महाराज, साध्वी जयश्री नाथ, विधायक अनिल जैन कालुहेड़ा, करणी सेना प्रदेश अध्यक्ष शिव प्रताप सिंह, करणी सेना परिवार प्रदेश संगठन मंत्री शैलेन्द्र सिंह, उज्जैन युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष हर्षवर्धन सिंह कुशवाह सहित बड़ी संख्या में युवा उपस्थित थे।

डॉ हेडगेवार जन्म शताब्दी स्मृति सेवा न्यास ने किया झंडावंदन

उज्जैन। डॉ हेडगेवार जन्म शताब्दी स्मृति सेवा न्यास द्वारा गणतन्त्र दिवस पर संघ कार्यालय पर झंडावंदन किया गया।

कार्यक्रम संयोजक राहुल विपट ने बताया की प्रतिवर्ष गणतन्त्र दिवस पर संघ कार्यालय पर झंडावंदन का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है इसी कड़ी में इस वर्ष भी यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में झंडावंदन पश्चात् उपस्थितजनों द्वारा राष्ट्र गान गाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में नगर के सुप्रसिद्ध लोक गायक रामचंद्र गंगोलिया उपस्थित रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता न्यास के अध्यक्ष उल्लास वैद्य ने की। संचालन न्यास के सचिव रितेश सोनी का रहा व आभार नवनीत तोषनीवाल ने व्यक्त किया। इस अवसर पर न्यास, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्त्ता व बड़ी संख्या में रहवासी जन उपस्थित रहें।

श्री रविदास सेवक संघ ने किया झंडावंदन

उज्जैन। श्री रविदास सेवक संघ जिला उज्जैन द्वारा समाज की धर्मशाला पर झंडावंदन किया गया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी बाबूलाल सूर्यवंशी रेलवे वाले उपस्थित थे। राजीव नगर धर्मशाला पर स्थित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने झंडा वंदन किया एवं सलामी दी। समाज के सभी वरिष्ठजनों एवं युवा लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और ध्वज को सलामी दी। राष्ट्रीय गीत के तत्पश्चात सभी लोगों को मिठाइयां से मुंह मीठा कराया गया एवं एक दूसरे को बधाइयां दी। हमारा नेतृत्व करने वाले श्री रविदास सेवक संघ जिला उज्जैन के अध्यक्ष मुकेश सूर्यवंशी के नेतृत्व में यह कार्यक्रम संपन्न किया गया एवं समस्त कार्य करने के द्वारा एवं समस्त समाज के वरिष्ठ नागरिकों के द्वारा यह कार्यक्रम संपन्न हुआ।

इसी के साथ श्री रविदास सेवक संघ जिला उज्जैन की अध्यक्षता में एक मीटिंग का भी आयोजन किया गया जिसमें आगामी 12 फरवरी 2025 को जयंती पर्व मनाने पर विशेष चर्चा रखी गई एवं समाज के सभी वरिष्ठ नागरिक एवं युवा लोगों से मीटिंग पर चर्चा की गई मीटिंग का रूप किस तरह से होना चाहिए किस तरह से नहीं।

सभी ने अपने-अपने विचार रखें। उन विचारों पर अमल किया गया।

तपोभूमि महामस्तकाभिषेक अंतर्मुखी मुनिश्री पूज्य सागर जी महाराज के सानिध्य में हुआ

उज्जैन। तपोभूमि प्रणेता आचार्यश्री प्रज्ञासागर जी मुनिराज के पावन आशीर्वाद से तपोभूमि के भगवान महावीर की उत्तुंग विशाल प्रतिमा का प्रतिवर्ष होने वाला महा मस्तकाभिषेक 26 जनवरी रविवार को अंतर्मुखी मुनि 108 श्री पूज्यसागर जी महाराज के पावन सानिध्य में होगा।

विशेष आकर्षण पंच रंगाभिषेक हुआ

मीडिया प्रभारी सचिन कासलीवाल ने बताया कि कार्यक्रम में विशेष आकर्षण पंच रंगाभिषेक रहा। कार्यक्रम के बाद वात्सल्य भोज भीहै आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में कई अतिथि मौजूद थे कार्यक्रम सुबह 10:00 बजे से प्रारंभ हुआ जिसमें सर्वप्रथम देश का झंडा का दर्जा रोहन हुआ तत्पश्चात धर्म पताका झंडा का को लहराया गया। प्रज्ञा कला मंच की सांस्कृतिक प्रस्तुति प्रज्ञा पुष्प मंच की विशेष प्रस्तुति एवं तपोभूमि परिवार के सदस्यों द्वारा प्रत्येक अभिषेक पर विशेष डांस नृत्य किया गया प्रखर जैन एंड पार्टी इंदौर ने गीतों से क्षमा बांध दिया ब्रह्मचारी अरुण भैया जी एवं संजय जैन नीमच संचालन किया अभिषेक में विशेष सहयोग पंडित सुशील गोध संजय जैन बालमुकुंद आदि का रहा।

दिगंबर साधु एवं माताजी की दीक्षा के पहलेभव्य बिनोली यात्रा एवं गोद भराई का रविवार हुआ एवंआज सोमवार को हुआदिगंबर साधु एवं माताजी की दीक्षा के पहलेभव्य बिनोली यात्रा एवं गोद भराई 25,26,27 जनवरी 2025 उज्जैन में आयोजित की गईब. देवेंद्र भाई जी. सूरचय. मीना दीदी, उज्जैन,ब. प्रेमलता दीदी, इंदौर की दीक्षार्थी की दीक्षा होना है।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com